सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

तीजोत्सव में महिलाओं ने बिखेरे संस्कृति और उमंग के रंग पेज: 4

मेरे करियर के हर पड़ाव पर पति करण बड़ा सपोर्ट बनकर सामने पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 137 | शुक्रवार 21 अगस्त 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

संक्षिप्त समाचार

उत्तराखंड में पागल कुत्तों के आतंक से 10 स्कूल बंद

- 600+बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई हो रही,बचाव के लिए लोग डंडा लेकर निकल रहे

चमोली (एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली जिले के नारायणबगड़ में हिंसक कुत्तों के हमलों से अब तक 11 लोग घायल हो चुके हैं। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए 10 स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है। इन स्कूलों के 600 से ज्यादा बच्चों की पढ़ाई ऑनलाइन कराई जा रही है। कुत्तों के डर से लोग घर से बाहर जाते समय हाथ में डंडा लेकर निकल रहे हैं। चमोली कलेक्टर गौरव

कुमार के निर्देश पर मुख्य शिक्षा अधिकारी आकाश सारस्वत ने स्कूलों में छुट्टी का आदेश जारी किया था। पहले 20 से 23 अगस्त तक चार दिन की छुट्टी की घोषणा हुई, जिसे बाद में घटाकर दो दिन कर दिया गया। हिंसक कुत्तों को पकड़ने के लिए वन विभाग की क्विक रिस्पॉन्स टीम अभियान चला रही है। 3 कुत्ते पकड़ लिए गए हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि एक पागल कुत्ते ने अन्य कुत्तों को काटा, जिसके बाद क्षेत्र में कई कुत्ते आक्रामक हो गए। इस दावे की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, रविवार और सोमवार को 3 लोग कुत्ते के हमले का शिकार हुए। मंगलवार को कुत्तों ने स्कूली बच्चों समेत 4 लोगों को काटा। बुधवार को 4 अन्य लोगों पर हमला हुआ।

यूपी के सरकारी स्कूलों की बदहाली पर भड़कीं मायावती

- बोलीं-शिक्षक हैं न पेयजल, लाठी नहीं सही नीयत से काम ले सरकार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश समेत पूरे उत्तर भारत में सरकारी स्कूलों की जर्जर हालत को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने केंद्र और राज्य सरकारों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 के बाद जन्मे बच्चे (जेन-अल्फा) आज बेहतर शिक्षा के

लिए तरस रहे हैं। जिन मासूमों के हाथ में किताब और खेलने के दिन हैं, वे बुनियादी सुविधाओं के लिए सड़कों पर उतरकर संघर्ष करने को मजबूर हैं। मायावती ने कहा कि उत्तर भारत के राज्यों में स्कूलों की बदतर हालत के कारण छात्र और उनके माता-पिता बेहद चिंतित हैं। अच्छी शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद में अब ये लोग भी मुखर हो चुके हैं। बच्चे अपनी शुरुआती शिक्षा के लिए जरूरी बुनियादी सुविधाओं के अधिकार की मांग को लेकर स्कूल ठीक करो जैसे अभियानों से जुड़कर प्रदर्शन कर रहे हैं। बसपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि सरकारी स्कूलों की व्यवस्था सुधारने के बजाय सरकारें लगातार इसकी अनदेखी कर रही हैं। यह एक प्रकार से शोषितों-वंचितों के आरक्षण की तरह ही पूरी शिक्षा व्यवस्था को निष्क्रिय बनाने का कुचक्र है। इसके तहत हजारों सरकारी स्कूल बंद किए जा रहे हैं।

भारत और जापान के बीच अहम डिफेंस डील

पाकिस्तान को बड़ा झटका, अमेरिका-चीन देखते रह गए!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और जापान ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए रक्षा सहयोग को और मजबूत करने का फैसला किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने 20 अगस्त को नई दिल्ली में इसके लिए एक द्विपक्षीय बैठक की। इस मीटिंग में दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग पर व्यवस्था संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में आगे के सहयोग के लिए ढांचा उपलब्ध कराएगा। समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों की सेनाओं के बीच व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने पर

भी सहमति बनी है। इस समझौते के तहत जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स और भारतीय नौसेना के बीच सहयोग मजबूत होगा, जिसमें समुद्री क्षेत्र की जानकारी साझा करना शामिल है। दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने संयुक्त बयान में कहा कि भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी हिंद-प्रशांत में शांति, स्थिरता और समृद्धि के प्रमुख आधार हैं।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए बड़ी डील

दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने फ्री और खुले हिंद-प्रशांत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए रक्षा सहयोग और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों रक्षा मंत्रियों ने मौजूदा वैश्विक तनाव के बीच क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा स्थिति पर एक-दूसरे के आंकलन साझा करने को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने नौवहन और हवाई उड़ान की स्वतंत्रता और सुरक्षा में बाधा डालने वाली किसी भी एकतरफा कार्रवाई का कड़ा विरोध किया। दोनों ने बल या दबाव के जरिए यथास्थिति बदलने के किसी भी प्रयास का भी विरोध किया।

भारत-जापान के डिफेंस मिनिस्टर की द्विपक्षीय मीटिंग

दोनों पक्ष समुद्री संचार मार्गों की सुरक्षा के लिए नौसैनिक जहाजों और सैन्य इकाइयों की पारस्परिक यात्राएं बढ़ाएंगे। संयुक्त अभ्यास, सैन्यकर्मियों और विशेषज्ञों का आदान-प्रदान भी होगा। बंदरगाहों, रखरखाव और मरम्मत सुविधाओं के इस्तेमाल के लिए भी सहयोग बढ़ाया जाएगा। नौसैनिक जहाज निर्माण में सहयोग की संभावना को भी बढ़ाया जाएगा। दोनों मंत्रियों ने समुद्री सुरक्षा सहयोग को तेजी से आगे बढ़ाने पर सहमति जताई है। उन्होंने समुद्री बारूदी सुरंगों से निपटने की क्षमता बढ़ाने में एक-दूसरे की विशेषज्ञता का लाभ उठाने की बात कही।

समुद्री सुरक्षा, नेवी सिक्योरिटी और डिफेंस पर फोकस

दोनों पक्षों ने नौसैनिक जहाजों के संयुक्त विकास और डिजाइन की संभावनाएं तलाशने पर भी सहमति जताई है। इसमें जापान की तकनीकी विशेषज्ञता और भारत की उत्पादन क्षमता का इस्तेमाल किया जाएगा। भारत व जापान ने रक्षा जहाज निर्माण से जुड़े क्षेत्रों में एक-दूसरे की क्षमताओं का लाभ उठाने पर जोर दिया। मेक इन इंडिया के तहत भारत की उत्पादन क्षमता के इस्तेमाल पर भी चर्चा आगे बढ़ाई जाएगी।

देश भर में अब सभी डॉक्टरों को मिलेगी एक यूनिक आईडी

- नेशनल मेडिकल कमीशन का प्रस्ताव, सारा रिकार्ड भी होगा ऑनलाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल मेडिकल कमीशन ने हर रजिस्टर्ड डॉक्टर को केंद्रीय स्तर पर एक यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर देने का प्रस्ताव रखा है। इसके बाद एक बार राज्य मेडिकल रजिस्टर में रजिस्ट्रेशन होने पर डॉक्टर को देश के किसी दूसरे राज्य में प्रैक्टिस करने के लिए अलग से नया रजिस्ट्रेशन या लाइसेंस नहीं लेना होगा। प्रस्ताव के तहत डॉक्टरों का एक राष्ट्रीय डिजिटल रिकॉर्ड भी तैयार होगा। इसमें रजिस्ट्रेशन, लाइसेंस की स्थिति और डॉक्टर के खिलाफ हुई अनुशासनात्मक कार्रवाई की जानकारी दर्ज रहेगी। यह रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध होगा, जिसे मरीज और अस्पताल भी देख सकेंगे। यह प्रस्ताव डॉक्टरों के रजिस्ट्रेशन और प्रैक्टिस लाइसेंस से जुड़े 2026 के ड्राफ्ट नियमों में रखा गया है। राज्य मेडिकल काउंसिल से रजिस्ट्रेशन मिलने के बाद एनएमसी का एथिक्स एंड मेडिकल रजिस्ट्रेशन बोर्ड डॉक्टर को यूआईडी जारी करेगा।

डॉक्टर पर कार्रवाई भी पूरे देश में दिखेगी

NMR में डॉक्टर के रजिस्ट्रेशन, लाइसेंस की स्थिति और अनुशासनात्मक कार्रवाई का रिकॉर्ड रखा जाएगा। अगर किसी डॉक्टर पर मेडिकल लापरवाही, गलत आचरण या पेशेवर कदाचार का मामला सामने आता है, तो संबंधित राज्य मेडिकल काउंसिल उसकी जांच करेगी। अगर किसी दूसरे राज्य की काउंसिल डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई करती है, तो इसकी जानकारी एनएमआर में भी अपडेट होगी।

भारी बारिश से एमपी यूपी में बाढ़ के हालात

एमपी के रीवा-सतना में कई गांवों का संपर्क टूटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में लगातार बारिश जारी है। मध्य प्रदेश के

कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। सतना में भारी बारिश से चित्रकूट की गुप्तगोदावरी में जलस्तर बढ़ गया। डिंडौरी में नदी-नाले उफान पर हैं और 12 से ज्यादा गांवों का संपर्क टूट गया। पन्ना के कई गांवों में भी पानी भर गया। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चार दिनों से बारिश हो रही है। पिछले तीन दिन में 205 मिमी पानी गिरा। शहर के कई इलाकों में 5 फीट तक पानी भर गया। घरों-हॉस्टल में पानी भर गया।

ओडिशा में बाढ़ 12.85 लाख लोग प्रभावित

अधिकारियों ने बताया कि ओडिशा में बाढ़ के हालात गंभीर बने हुए हैं और छह जिलों में 12.85 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। गुरुवार को बालासोर में नए इलाकों में पानी भर गया क्योंकि सुवर्णरेखा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही थी। यूपी के कानपुर देहात में भारी बारिश से घर की छत गिर गई। मलबे में महिला और उसका बेटा दब गए।

कांग्रेस का पूरा वंदे मातरम न गाना देशविरोधी कांड

- शाह बोले-उन्होंने 1937 में राष्ट्रगीत के दो टुकड़े कर पाप किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस का वंदे मातरम पूरा न गाने का फैसला हैरान करने वाला और देशविरोधी है।

1937 में कांग्रेस ने जो फैसला लिया था, उसे पीएम मोदी ने सुधारा है। उन्होंने कहा- कांग्रेस ने 1937 में राष्ट्रगीत के दो टुकड़े कर मुस्लिम तुष्टीकरण किया था। उस फैसले से दो-राष्ट्र सिद्धांत को मजबूती मिली और आगे चलकर देश का विभाजन हुआ। शाह के बयान पर कांग्रेस ने पलटवार किया। पार्टी के सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा- वंदे मातरम स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा था। यह हमारे लिए भावनात्मक मुद्दा है।

अब सबसे ऊंचे रेल पुल पर फर्राटा भरेगी वंदे भारत ट्रेन

- बढ़ाई गई स्पीड, अब 100 किमी प्रतिघंटे की होगी रफ्तार

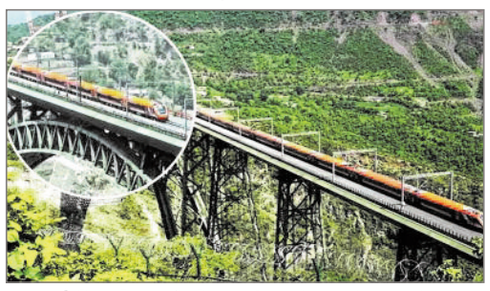

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में सबसे ऊंचा रेल पुल भारत में है। यह पुल जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में बक्कल और कौरी के बीच चिनाब नदी पर बना है। इसलिए लोग इसे चिनाब ब्रिज भी कहते हैं। इसकी नदी के तल से ऊंचाई 369 मीटर है जो कि पेरिस के एफिल टावर से भी 35 मीटर ऊंचा है। इस पुल पर वंदे भारत एक्सप्रेस 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से वंदे भारत एक्सप्रेस दौड़ेगी। जी हां, रेलवे ने कटड़ा से बनिहाल के बीच रेलगाड़ियों की अधिकतम गति 100 किमी घंटा कर दी है।

ट्रैक मजबूत हुआ तो बढ़ेगी गति

न्यूज एजेंसी की एक खबर के मुताबिक उत्तर रेलवे के जम्मू डिवीजन ने कटड़ा और बनिहाल के बीच 111 किलोमीटर लंबे इस रेलखंड की स्पीड बढ़ा कर 100 किमी प्रतिघंटा कर दी गई है। पहले इस रूट पर श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से संगलदान सेक्शन पर ट्रेनों को अधिकतम 85 किलोमीटर/घंटा और संगलदान से बनिहाल सेक्शन पर 75 किलोमीटर/घंटा की गति से चलाने की अनुमति थी।

भारत को गाजा की चिंता, वेस्ट बैंक में बना रहा हॉस्पिटल

इजरायल से दोस्ती के बावजूद नई दिल्ली का प्लान कर रहा हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और फिलिस्तीन के बीच बड़ा डेवेलपमेंट सामने आया है। भारत विकास के लिए फिलिस्तीन को मुहैया कराई जाने वाली मदद को बढ़ाने की योजना बना रहा है। इसी क्रम में, बुधवार को दोनों पक्षों ने फिलिस्तीन के वेस्ट बैंक में 200 बिस्तरों वाले भारतीय सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल के निर्माण के लिए एक करार पर हस्ताक्षर करने का ऐलान किया। इस अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं और एक ट्रॉमा सेंटर भी होगा। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में फिलिस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला अबू शावेश ने बुधवार को 2028-29 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता के लिए भारत की

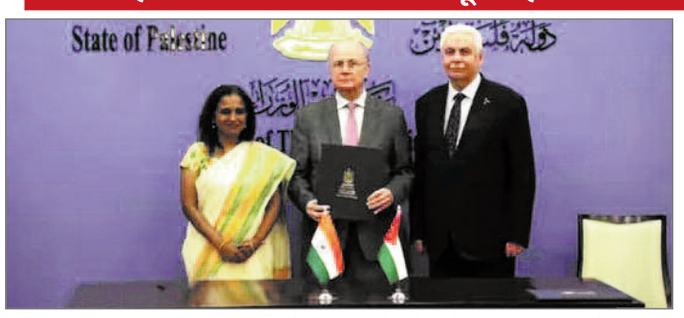

दावेदारी का समर्थन भी किया। पत्रकारों से बात करते हुए शावेश ने कहा, जब हम व्यापक रूप से संयुक्त राष्ट्र और विशेष रूप से सुरक्षा परिषद में सुधार की बात करते थे, तो एक साउदर्न देश यानी विकासशील देश के तौर पर हमारी एक अपील यह थी कि भारत उन देशों में शामिल हो जिनके पास सदस्यता है।

फिलिस्तीन के साथ करार पर हस्ताक्षर का ऐलान

विदेश मंत्रालय की सचिव श्रीप्रिया रंगनाथन की फिलिस्तीन यात्रा की मुख्य बातों में से एक फिलिस्तीनी नेशनल प्रिंटिंग प्रेस के भीतर एक तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर करना था, जो प्रिंटिंग क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करेगा। बता दें कि श्रीप्रिया रंगनाथन ने बुधवार को रामल्ला में फिलिस्तीनी प्रधानमंत्री मोहम्मद मुस्तफा से मुलाकात की और आपसी हित के प्रमुख क्षेत्रों में दीर्घकालिक द्विपक्षीय साझेदारी एवं सहयोग को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की।

अमरीका में उठी आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की मांग

- आयोग बोला-यहां आने वाले संघ के नेताओं को सम्मान न मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। आयोग ने अमेरिकी सरकार से आरएसएस नेताओं को राजनयिक सम्मान नहीं देने और उनके साथ उच्चस्तरीय बैठकें नहीं करने को कहा है। आयोग के चेयरमैन आसिफ महमूद ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आरएसएस के सदस्य हैं और इसके सहयोगी संगठनों ने धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमले किए हैं।

अब पुलिस नहीं करेगी भ्रूण लिंग परीक्षण वाले मामलों की जांच

- सुप्रीम कोर्ट बोला-अस्पताल पर छापा मारने का अधिकार भी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि भ्रूण लिंग परीक्षण-पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत दर्ज मामलों की जांच पुलिस नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में कानून के तहत नियुक्त अधिकारी ही कार्रवाई करेंगे। प्री कॉन्सेप्शन एंड प्री नेटल डायग्नोस्टिक टेक्निक्स (पीसीपीएनडीटी) एक्ट का मकसद भ्रूण का लिंग पता लगाने के लिए प्रसव से पहले की जाने वाली जांच तकनीकों के इस्तेमाल पर रोक लगाना है। यह फैसला जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने सुनाया। कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पीसीपीएनडीटी एक्ट से जुड़े मामले तकनीकी होते हैं। इनमें मेडिकल जानकारी और संवेदनशीलता की जरूरत हो सकती है।

एससी की सख्ती, कहा-अब सिर्फ स्पेशल टीम ही कार्रवाई करेगी

पुलिस की भूमिका सिर्फ सहायक की रहेगी

बेंच ने कहा, इस एक्ट के तहत जांच करने की जिम्मेदारी पुलिस की नहीं है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि कानून के मुताबिक पुलिस सिर्फ सहायक के तौर पर मदद करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह रोक केवल PCPNDT एक्ट के तहत आने वाले अपराधों पर लागू होगी। यानी पुलिस सामान्य आपराधिक कानून में सामने आए मामलों की जांच और मुकदमा चला सकती है। पुलिस सीधे तौर पर न तो FIR कर सकती है और न ही डॉक्टरों या अस्पतालों के खिलाफ एक्शन ले सकती है। बेंच ने कहा की यह कानून मेडिकल नॉलेज से जुड़ा है, इसलिए ऐसे मामलों में पुलिस की सहायता लेने से बचा जाना चाहिए।

संपादकीय

अस्पताल में खौफ

कोई भी अस्पताल बीमार व अशक्त लोगों के जीवन की अंतिम किरण होती है। एक विश्वास का प्रतीक कि वहां से स्वस्थ होकर लौटेंगे। तरह-तरह के रोगों से पीड़ितों का अस्पताल पर भरोसा होता है कि वहां पहुंचकर उनका जीवन सुरक्षित हो जाएगा। लेकिन यदि किसी अस्पताल में उपचार के लिये गई महिला के साथ जांच के नाम पर दुराचार हो और वीभत्स कृत्य उसे मौत के मुंह में धकेल दे तो इससे ज्यादा व भयावह कुछ नहीं हो सकता। यह घटना लाखों मजबूर-बीमार लोगों तथा महिलाओं के भरोसे को तोड़ती है, जब यह पता चलता है कि वीभत्स घटना एक सरकारी अस्पताल में हुई है। हरियाणा के पानीपत स्थित अस्पताल के सीटी स्कैन रूम में एक 58 साल की महिला के साथ हुए दुराचार और उसके बाद रोहतक के पीजीआईएमएस में उपचार के दौरान उसकी मौत ने लाखों लोगों के भरोसे को भी तोड़ा है। निस्संदेह, कानून अपना काम करेगा, पुलिस की जांच अपराधी को सख्त दंड दिलाने में मददगार होगी, लेकिन इस घटना ने संस्थागत सुरक्षा इंतजामों की चिंताजनक नाकामी को एक बार फिर से उजागर कर दिया है। सबसे अधिक विचलित करने वाली बात यह है कि आरोपी पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तरह अस्पताल की सीटी स्कैन और एमआरआई यूनिट चलाने वाली एक प्राइवेट कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर काम करता था। लेकिन सवाल यह उठता है कि वह कथित तौर पर सीटी स्कैन टेक्नीशियन का काम कैसे कर रहा था? निस्संदेह, सरकारी अस्पताल के अंदर इस तरह से दायित्वों की भूमिका में बदलाव होना व्यवस्था की ऐसी नाकामियों की तरफ इशारा करता है, जो किसी व्यक्ति के कुकृत्य से कहीं अधिक आगे की बात है। निस्संदेह, यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना अस्पताल व अन्य सार्वजनिक संस्थानों में देख-रेख, कॉन्ट्रैक्ट की शर्तों के पालन और जवाबदेही को लेकर विचलित करने वाले सवाल खड़े करती है। ऐसा प्रतीत होता है कि अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा के बुनियादी नियम-कानून एक साथ निरर्थक हो गए हैं। सवाल यह है कि पहले ही रोगों, शारीरिक जीर्णता, मानसिक तनावों से गुजर रहे लोगों की सुरक्षा हेतु क्या कोई कायदे-कानून नहीं हैं? उनकी सुरक्षा महज राम भरोसे है? सरकारी अस्पतालों में मरीजों को कितने धक्के खाने पड़ते हैं और पक्की नौकरी वालों का आमतौर पर मरीजों से व्यवहार कैसा होता है, वह सर्वविदित है। पीड़िता के परिजनों ने आरोप लगाया कि उन्हें मरीज के साथ स्कैन-रूम में नहीं जाने दिया गया। वहां कोई महिला स्टॉफ मौजूद नहीं थी। दुर्भाग्य से महिला मरीज को ऐसे व्यक्ति के भरोसे छोड़ दिया गया, जिसे वास्तव में वहां खड़े रहने का भी हक नहीं था। ये चिकित्सा प्रक्रिया की कोई मामूली चूक नहीं है। ऐसी खामी में शोषण का खतरा लगातार बना रहेगा। विगत में भी कई ऐसी घटनाओं ने पूरे देश का ध्यान खींचा, जहां महिलाओं के साथ यौन हिंसा हुई। वर्ष 1973 में मुंबई के केईएम अस्पताल में नर्स अरुणा शानबाग के साथ जानलेवा यौन-हिंसा हुई थी। इसी तरह की कोलकाता के आरजीकर मेडिकल कालेज की दुखद घटना, जिसमें यौन हिंसा से मेडिकल की छात्रा की मौत हुई थी। विडंबना यह कि घटना का जमकर राजनीतिक दोहन तो होता है, लेकिन लोगों का गुस्सा कम होते ही सुधार के वायदे भी हवा हो जाते हैं। एक बार फिर पानीपत की दुखद घटना ने बताया है कि हमारे नीति-नियंताओं की याददाश्त बहुत कमजोर होती है। निश्चित रूप से पानीपत में हुई वीभत्स घटना को महज एक अपराध की दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इस घटना के मद्देनजर मरीजों की सुरक्षा से जुड़े नीतिगत फैसलों में बदलाव लाया जाना चाहिए। ऐसे अस्पताल व सार्वजनिक सेवा केंद्रों से जुड़े, प्रत्येक आउटसोर्स किए गए विकल्पों की समीक्षा की जानी चाहिए। तैनात कर्मचारियों की कारगुजारियों-भूमिकाओं का सत्यापन किया जाना चाहिए। अस्पतालों में सीसीटीवी कवरेज का दायरा विस्तृत व मजबूत किया जाना चाहिए। साथ ही अनिवार्य रूप से सुरक्षाकर्मियों की तैनाती का प्रोटोकॉल लागू किया जाना जरूरी है। महत्वपूर्ण यह कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी में जवाबदेही से बचने का मौका नहीं दिया जाना चाहिए। ध्यान रहे कि स्वास्थ्य सेवा में उपचार के साथ लोगों के भरोसे को बनाये रखना भी अनिवार्य शर्त है।

सूक्ति

जो आप खुद पसंद नहीं करते उसे दूसरों पर भी थोपिए।
कन्फ्यूशियस
स्वत: कुछ नहीं होता सब कुछ करना पड़ता है।
जै. एफ. कैनेडी

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

सुधारगृह नहीं अपराधियों के अभयारण्य में तब्दील होते कारागार

मनोज कुमार अग्रवाल

भारतीय जेल अब सुधारगृह से अधिक अपराधियों के स्वछंद अभ्यारण्य में तब्दील हो रहीं हैं देश की विभिन्न जेलों में भ्रष्टाचार, अवैध वसूली और नियमों के उल्लंघन के कई गंभीर मामले लगातार सामने आते रहे हैं, जो जेल प्रशासन की सुरक्षा और ईमानदारी पर बड़े सवाल खड़े करते हैं। इन मामलों में रसूखदार कैदियों को वीआईपी सुविधाएं देने से लेकर मोबाइल फोन और प्रतिबंधित सामग्री पहुंचाने तक के रैकेट शामिल हैं। जेलों में फैले भ्रष्टाचार के मामले देश भर में फैली अव्यवस्था को उजागर करता है वही अपराध नियंत्रण में भी अड़चन पैदा करता है यदि अपराधी को जेल में भी घर जैसा आरामदायक माहौल मिलेगा तो उसके लिए जेल ही सुरक्षित आवास बन जाएगा।

आपको याद दिला दें जेल में भ्रष्टाचार का सुकेश चंद्रशेखर मामला तिहाड़ जेल, दिल्ली से जुड़ा हुआ है जेल इतिहास का सबसे बड़ा रिश्वत कांड, जहां महाठग सुकेश ने जेल के भीतर से करोड़ों रुपये की ठगी की और बदले में करीब 80 से अधिक जेलकर्मियों को करोड़ों रुपये की रिश्वत दी।

तिहाड़ जेल जबरन वसूली रैकेटः हाल ही में सीबीआई ने तिहाड़ जेल के निलंबित अधिकारियों औरि कैदियों पर मामला दर्ज किया, जो कैदियों के परिवारों से ऑनलाइन यूपीआई और पेटीएम के जरिए लाखों की अवैध वसूली कर रहे थे। वहीं बेउर जेल कांड पटना, बिहार ने भी जेलों में व्याप्त भ्रष्टाचार का खुलासा कर दिया। पटना की बेउर जेल में संगठित भ्रष्टाचार और नियमों की धज्जियां उड़ाने की खबर सामने आने के बाद सरकार ने जेल अधीक्षक समेत 7 अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया।

मेरठ जेल और महाराष्ट्र की जेलों से जुड़े मामले भी बेहद शर्मनाक स्थिति को बयान करते हैं। उत्तर प्रदेश की मेरठ जेल और महाराष्ट्र की ठाणे व तलोजा जेलों में कैदियों द्वारा अवैध रूप से मोबाइल फोन इस्तेमाल करने और परिजनों से मुलाकात के बदले पैसे ऐंठने के कई स्टिंग ऑपरेशन और वीडियो साक्ष्य सामने आ चुके हैं। हमारी जेलों में एक ऐसा दुष्चक्र चल रहा है जैसे कि ये जेलें न होकर गैस्ट हाऊस बन गई हों। जहां इनके स्टाफ को मुंह मांगी रकम देकर कोई भी सुविधा हासिल की जा सकती है। इसमें टी.वी., मोबाइल फोन या नशा और डाक्टरी जांच के बहाने सैर-सपाटा आदि सब कुछ शामिल है, जिसकी पिछले कुछ समय में आइ सुर्खियों पर नजर डालिए

26 मई,2025जयपुर (राजस्थान) की सेंट्रल जेल में सजा काट रहे 5 कैदियों ने एस. एम.एस. अस्पताल में मैडीकल चैकअप के लिए मंजूरी ली थी, परंतु जेल कर्मचारियों की मिली भगत से इनमें से 4 कैदी डाक्टर के पास जाने की बजाय एक होटल में अपनी-अपनी पत्नियों या प्रेमिकाओं के साथ कुछ खाते-पीते और घूमते-फिरते मिले।यह सैर-सपाटा 25,000 रुपयों में तय किया गया था तथा कैदियों के साथ गए कांस्टेबलों को 5000-5000 रुपए देने का वादा किया गया था।9 नवम्बर, 2025 को बेंगलुरु (कर्नाटक) की जेल से वायरल हुए एक वीडियो में 20 महिलाओं से रेप व 18 हत्याओं के मामलों में दोषी ठहराए गए उमेश रैड्डी को जेल के अंदर 2 एंड्रॉयड व 1 की-पैड मोबाइल फोन इस्तेमाल करते हुए देखा गया। उसकी बैरक में टी.वी. भी लगा हुआ था। 29 नवम्बर, 2025 को लखनऊ (उत्तर प्रदेश) की गोसाईं गंज जेल से एक कैदी ऋषभ राय का मैडीकल करवाने निकले 4 पुलिस कर्मचारी उसे डाक्टर के पास लेकर जाने की बजाय शॉपिंग मॉल में घुमाने ले गए। इसकी सूचना उसके मित्रों और परिजनों को भी दी गई थी जो उससे मिलने उक्त शॉपिंग मॉल में पहुंच गए। ऋषभ उनके साथ घूमा-फिरा और खरीदारी भी की। इस सिलसिले में डिप्टी सुपरिंटैंडैंट राम सेवक के अलावा अनुज धामा, नितिन राणा तथा रामचंद्र प्रजापति को निलम्बित कर दिया गया।

16 मार्च, 2026 को करोड़ों रुपयों के सतारा ड्रग्स स्कैंडल के मामले में सोलापुर (महाराष्ट्र) जेल में बंद आरोपी फैजान शेख को मोबाइल फोन देने के आरोप में जेल के कांस्टेबल बालू चव्हाण को गिरफ्तार किया गया जिसने इसके बदले में 40,000 रुपयों से अधिक रकम ली थी।

28 मार्च, 2026 को अम्बिकापुर (छत्तीसगढ़) में मैडीकल कॉलेज अस्पताल के जेल वार्ड में हत्या के प्रयास के आरोप में बंद कैदी गुरबख्श सिंह को हर सुविधा उपलब्ध करवाने का मामला सामने आया।उसके परिजन मोबाइल लेकर अस्पताल के जेल वार्ड में आ-जा रहे थे तथा उसे घर का खाना और मिनरल वाटर तक उपलब्ध करवा रहे थे। इस सिलसिले में 2 जेल वार्डरों जयप्रकाश और लोकनाथ निषाद को निलम्बित किया गया।

17 जुलाई, 2026 को दिल्ली सरकार की एंटी करप्शन ब्रांच ने तिहाड़और रोहिणी जेलों के अंदर चल रहे एक संगठित उगराही और रिश्वत के रैकेट का पता चलने पर असिस्टैंट सुपरिंटैंडैंट, 6 जेल वार्डरों, 2 वकीलों तथा 2 अन्य प्राइवेट व्यक्तियों सहित कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार करके उनसे 1 लाख रुपए की रिश्वत की रकम बरामद की। 24 जुलाई, 2026 को चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) जिला जेल से वायरल हुए 3 वीडियो में अनेक कैदी जेल के अंदर आराम से भोजन करते, नशा करते, नाचते और एंड्रॉयड मोबाइल से सैल्फी वीडियो बनाते दिखाई दिए।

3 अगस्त, 2026 को बुड़ैल जेल चंडीगढ़ में बंद 661 करोड़ रुपयों के बैंक घोटाले के सरगना विक्रम वधवा को अस्पताल में चैकअप के बाद 2 पुलिस कर्मियों द्वारा एक होटल में लेकर जाने का पता चला जहां जमकर पार्टी चली। वहां विक्रम वधवा की पत्नी, रिश्तेदार व बेटे भी मौजूद थे।

इसका पता चलते ही डी.एस.पी. लाइन पूनम दिलावरी ने होटल में छापा मार कर पुलिस कर्मियों और विक्रम वधवा को काबू कर सैक्टर 17 थाना पुलिस के हवाले कर दिया, जहां विक्रम वधवा, उसके बेटों कर्ण व कुणाल वधवा के विरुद्ध मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया।

और अब 4 अगस्त, 2026 को गोवा की कोलवाले जेल में बंद कुछ कैदियों को जेल कर्मचारियों की शह पर मोबाइल चार्जिंग, इंटरनैट एक्सैस, टी.वी. कनैक्शन, शराब व मांसाहारी भोजन की होटलों जैसी सुविधाएं देने पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने जेल प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई।

इस प्रकार के मामलों का सामने आना निश्चय ही भारतीय जेलों में व्याप्त भ्रष्टाचार कुव्यवस्था का ज्वलंत उदाहरण है जिसे रोकने के लिए कठोर प्रशासकीय कदम उठाने की सख्त जरूरत है।

राष्ट्रभक्ति जगाने का मंत्र है वन्देमातरम्

डॉ. वन्दना सेन

'वन्देमातरम्' केवल दो शब्दों का उद्घोष नहीं है। यह भारत की आत्मा से निकला वह स्वर है, जिसमें मातृभूमि के प्रति श्रद्धा, समर्पण, गौरव और राष्ट्रभक्ति का भाव एक साथ अभिव्यक्त होता है। जिस भूमि ने हमें जन्म दिया, जिसने हमें अन्न, जल, वायु और जीवन प्रदान किया, उसके प्रति सम्मान प्रकट करना प्रत्येक नागरिक का स्वाभाविक और नैतिक कर्तव्य है। इसलिए ह्यवन्देमातरम्ह्ल को किसी राजनीतिक दल, विचारधारा के चश्मे से देखना उसके व्यापक राष्ट्रीय अर्थ को सीमित करना होगा।

भारत की स्वतंत्रता-चेतना के इतिहास में 'वन्देमातरम्' का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। स्वाधीनता आंदोलन के दौर में इसके उद्घोष ने असंख्य भारतीयों के भीतर राष्ट्रभक्ति की ऐसी लौ प्रज्वलित की, जिसने विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष को नई ऊर्जा प्रदान की। यह केवल गीत नहीं रहा; यह राष्ट्रीय जागरण का मंत्र बन गया था। इसके उच्चारण मात्र से लोगों के भीतर मातृभूमि के प्रति प्रेम और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष का संकल्प जाग उठता था। यही कारण है कि 'वन्देमातरम्' भारतीय राष्ट्रीय चेतना के इतिहास में एक अमिट अध्याय के रूप में दर्ज है।

आज भी जब 'वन्देमातरम्' का स्वर वातावरण में गूँजता है तो उसके साथ देशभाव का उफान दिखाई देता है। विद्यालयों से लेकर सार्वजनिक समारोहों तक और स्वतंत्रता दिवस से लेकर राष्ट्रीय पर्वों तक, इसका उद्घोष लोगों को अपनी जड़ों और अपनी मातृभूमि से जोड़ता है। यह भाव किसी एक समुदाय, वर्ग या राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं हो सकता। भारत की विविधता में एकता की जो विराट भावना है, 'वन्देमातरम्' उसी भावना का सशक्त प्रतीक है।

विडंबना यह है कि जिस 'वन्देमातरम्' को भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान कांग्रेस ने भी स्वीकार किया और जिसके स्वर ने स्वतंत्रता संघर्ष को ऊर्जा दी, आज उसी के प्रति कांग्रेस के कुछ नेताओं की असहजता दिखाई देती है। प्रश्न स्वाभाविक है कि जो राष्ट्रगीत और राष्ट्रभाव कभी स्वतंत्रता संघर्ष के संकल्प का हिस्सा था, उसे आज राजनीतिक विवाद का विषय क्यों बनाया जा रहा है? यदि किसी राष्ट्रीय प्रतीक के प्रति सम्मान व्यक्त करने में संकोच होने लगे, तो यह केवल राजनीतिक मतभेद का विषय नहीं रह जाता, बल्कि राष्ट्रभाव की व्यापक अवधारणा पर प्रश्न खड़ा करता है।

स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में 'वन्देमातरम्' के प्रसंग को लेकर दिखाई देने वाली असहजता ने भी अनेक प्रश्नों को जन्म दिया। राष्ट्रीय पर्वों का उद्देश्य राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को तीखा करना नहीं, बल्कि राष्ट्र की सामूहिक चेतना को मजबूत करना होना चाहिए। ऐसे अवसर पर दलगत सीमाएँ पीछे छूटनी चाहिए और भारत की एकता, अखंडता तथा गौरव सर्वोपरि होना चाहिए।

यहाँ एक और महत्वपूर्ण प्रश्न संविधान के संदर्भ में उठता है। यदि 'वन्देमातरम्' के सम्मान या उसके उद्घोष को लेकर कोई विधिक व्यवस्था अस्तित्व में आती है, तो उसका पालन करना प्रत्येक नागरिक और संस्था का संवैधानिक दायित्व होगा। संविधान केवल राजनीतिक सुविधा के अनुसार उद्धृत करने की वस्तु नहीं है। संविधान अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की भी स्मृति कराता है। इसलिए जो राजनीतिक शक्तियाँ संविधान की रक्षा का दावा करती हैं, उन्हें संविधान की भावना और उसके अनुशासन का समान रूप से सम्मान करना चाहिए।

वस्तुतः राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रीय प्रतीक किसी दल की राजनीतिक पूँजी नहीं हैं। वे करोड़ों भारतीयों की सामूहिक भावनाओं के प्रतीक हैं। 'वन्देमातरम्' के संदर्भ में भी यही दृष्टि अपनाई जानी चाहिए। इसके साथ किसी प्रकार का राजनीतिक लाभ-हानि का गणित जोड़ना उचित नहीं है। राष्ट्रभक्ति को वोट की राजनीति से जोड़ना स्वयं राष्ट्रभाव को संकीर्ण करना है।

भारत की शक्ति उसकी विविधता में निहित है। यहाँ अनेक भाषाएँ हैं, अनेक पंथ और परम्पराएँ हैं, अनेक जीवन-पद्धतियाँ हैं, फिर भी भारत की पहचान एक है। इस एकता को मजबूत करने वाले प्रतीकों और भावनाओं का सम्मान करना आवश्यक है। 'वन्देमातरम्' इसी एकता का भावात्मक सूत्र है। यह हमें स्मरण कराता है कि हमारी पहली पहचान हमारी मातृभूमि से है और उसके सम्मान में व्यक्त किया गया स्वर किसी विभाजन का नहीं, बल्कि जुड़ाव का स्वर है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि 'वन्देमातरम्' को विवाद का विषय बनाने के बजाय उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय महत्व को समझा जाए। यदि इसके उद्घोष से देशभक्ति का ज्वार पहले उठता था, तो आज भी उठ सकता है। यदि इसके स्वर ने स्वतंत्रता सेनानियों में त्याग और बलिदान की भावना जगाई थी, तो आज यह नई पीढ़ी में राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यबोध जागृत कर सकता है। राष्ट्रभक्ति का अर्थ केवल नारे लगाना नहीं, बल्कि देश के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना है। किंतु जब कोई नागरिक अपनी मातृभूमि के सम्मान में 'वन्देमातरम्' कहता है, तो उसके उस भाव को संदेह की दृष्टि से देखना भी उचित नहीं। राष्ट्र के प्रति श्रद्धा को राजनीति की संकीर्ण सीमाओं में बाँधना भारत की विशाल सांस्कृतिक चेतना के साथ न्याय नहीं होगा।

'वन्देमातरम्' इसलिए किसी राजनीतिक दल का विषय नहीं है। यह भारत की पहचान, मातृभूमि के प्रति श्रद्धा और राष्ट्रीय एकता का भावपूर्ण उद्घोष है। इसके स्वर में इतिहास की स्मृति भी है, स्वतंत्रता का संघर्ष भी, बलिदान की गाथा भी और भविष्य के भारत का संकल्प भी। आवश्यकता केवल इतनी है कि हम इसे राजनीति के विवाद से ऊपर उठाकर राष्ट्रभाव की दृष्टि से देखें। जब करोड़ों कंठ एक स्वर में कहते हैं– 'वन्देमातरम्'–तो उसमें केवल शब्द नहीं होते, बल्कि एक राष्ट्र की आत्मा बोलती है।

(लेखिका वरिष्ठ स्तंभकार हैं।)

बदलती सामाजिक संवेदनाओं में वृद्धों को चाहिए उजाले

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस समाज के अंतर्मन को झकझोरने एवं वृद्धों की त्रासद स्थितियों पर सोचने को विवश करता है कि जिन हाथों ने परिवार की नींव रखी, जिन कंधों ने बच्चों के भविष्य का भार उठाया और जिन अनुभवों ने जीवन की अनेक कठिन राहों को पार करने में अगली पीढ़ियों का मार्गदर्शन किया, उन्हीं वृद्ध माता-पिता को जीवन के अंतिम पड़ाव में अकेलापन, उपेक्षा, असुरक्षा और अपमान क्यों झेलना पड़ रहा है? निश्चित ही कहीं-न-कहीं हमारी सामाजिक संवेदना कमजोर हुई है। जिस समाज में बुजुर्गों का सम्मान सहज संस्कार होना चाहिए था, वहां उनके अधिकारों और सुरक्षा के लिए अलग से दिवस मनाना हमारी सामूहिक आत्मचिंता का विषय है। भारत तेजी से वृद्ध होती आबादी की ओर बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार 2050 तक भारत की आबादी में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत हो सकती है; यानी हर पांच भारतीयों में लगभग एक वरिष्ठ नागरिक होगा। यह केवल जनसांख्यिकीय परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवस्था के सामने आने वाली एक बड़ी चुनौती है। अधिक उम्र तक जीना मानव सभ्यता की उपलब्धि है, लेकिन यदि लंबी आयु के साथ अकेलापन, बीमारी, आर्थिक असुरक्षा और भावनात्मक उपेक्षा जुड़ जाए तो दीर्घ जीवन वरदान के बजाय बोझ जैसा अनुभव होने लगता है।

भारत की पारंपरिक संस्कृति में वृद्ध व्यक्ति परिवार के मुखिया, मार्गदर्शक और अनुभव के भंडार माने जाते थे। संयुक्त परिवार में उनकी भूमिका केवल निर्णय लेने तक सीमित नहीं थी, बल्कि वे परिवार की स्मृति, परंपरा और संस्कारों के जीवंत केंद्र होते थे। लेकिन तेजी से बदलती जीवनशैली, महानगरीय संस्कृति, रोजगार के लिए पलायन, छोटे परिवारों की प्रवृत्ति, उपभोक्तावाद और बढ़ती व्यक्तिवादी सोच ने इस व्यवस्था को बदल दिया है। आज कई वृद्ध अपने ही घर में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से अकेले हैं। उनके पास रहने को छत है, लेकिन संवाद के लिए कोई अपना नहीं; परिवार है, लेकिन समय नहीं; संतान है, लेकिन अपनापन कम होता जा रहा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस वृद्ध ने जीवनभर परिवार को अपने केंद्र में रखा, सेवानिवृत्ति के बाद वही परिवार उसे अपने केंद्र से बाहर करने लगता है। नौकरी में रहते हुए जिस व्यक्ति की सलाह महत्वपूर्ण थी, नौकरी से मुक्त होते ही उसकी उपयोगिता जैसे समाप्त मान ली जाती है।

वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या इसी बदलती सामाजिक संरचना का संकेत है। हर वृद्धाश्रम दुख की कहानी नहीं है; कुछ स्थानों पर वे अकेले और असहाय वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षा और देखभाल का महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। लेकिन जब वृद्धाश्रम उन माता-पिता का अंतिम ठिकाना बन जाए जिन्हें सक्षम संतान केवल इसलिए घर से दूर कर देती है कि वे आधुनिक जीवन की सुविधाओं के बीच ह्यअसुविधाह्ल बन गए हैं, तब प्रश्न केवल परिवार का नहीं, पूरे समाज के संस्कारों का बन जाता है। संपत्ति अपने नाम कराने के बाद माता-पिता से दूरी बना लेना, उनकी बीमारी को बोझ समझना या उन्हें केवल घरेलू जिम्मेदारियों के लिए उपयोग करना ऐसी प्रवृत्तियां हैं, जिन पर समाज को गंभीर आत्ममंथन करना चाहिए। यह भी सच है कि वृद्धावस्था की समस्या केवल युवाओं की संवेदनहीनता से पैदा नहीं होती। वरिष्ठ नागरिकों को भी बदलते समय के साथ स्वयं को बदलना होगा। नई पीढ़ी की स्वतंत्रता, निजी निर्णय और जीवनशैली को समझना होगा। अनावश्यक हस्तक्षेप से बचते हुए अपने अनुभव को आदेश नहीं, मार्गदर्शन के रूप में प्रस्तुत करना होगा। उम्र बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन मन का बूढ़ा हो जाना अनिवार्य नहीं। वरिष्ठ नागरिक यदि सामाजिक गतिविधियों, अध्ययन, सेवा, आध्यात्मिकता, सामुदायिक कार्यक्रमों और रचनात्मक कार्यों से जुड़े रहें तो उनका जीवन अधिक सक्रिय, सार्थक और आनंदपूर्ण बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट का कल आया फैसला बुजुर्गों के लिए कानूनी संजीवनी की तरह है जिसमें न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यदि संतान माता-पिता की देखभाल और भरण-पोषण की जिम्मेदारी निभाने में विफल रहती है, तो वरिष्ठ नागरिकों की संपत्ति और सम्मान की रक्षा के लिए कानून के तहत बच्चों को उस संपत्ति से बेदखल करने का रास्ता खुला है।

सरकार की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। विशेष रूप से 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आय की परवाह किए बिना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवरेज देना एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार के अनुसार अक्टूबर 2024 में शुरू हुए इस विस्तार से लगभग छह करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य है; जून 2026 तक योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए कवरेज का दायरा इसी दिशा में आगे बढ़ाया गया है। इसी प्रकार अटल वयो अभ्युदय योजना का उद्देश्य केवल वृद्धों को आश्रय देना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, आवास, सक्रिय एवं उत्पादक वृद्धावस्था, कौशल, परिवहन तथा पीढ़ियों के बीच संबंधों को मजबूत करना भी है। योजना में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायता, वृद्धाश्रम, सहायक उपकरण, सक्रिय वृद्धावस्था और अनुभव आधारित रोजगार जैसे पहलुओं को भी शामिल किया गया है। ये प्रयास महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सरकारी योजनाओं की सफलता अंततः उनके अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी पहुंचने पर निर्भर करती है। पेंशन, स्वास्थ्य सुविधा, डिजिटल सेवाओं और कानूनी संरक्षण को अधिक सरल, सुलभ और स्थानीय स्तर पर प्रभावी बनाना अभी भी आवश्यक है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए आर्थिक सुरक्षा जितनी जरूरी है, उससे कहीं अधिक जरूरी भावनात्मक सुरक्षा है। पैसा दवा खरीद सकता है, लेकिन अकेलेपन का उपचार नहीं कर सकता। अस्पताल शरीर का इलाज कर सकता है, लेकिन उपेक्षा से घायल मन का उपचार परिवार का प्रेम ही कर सकता है। इसलिए वृद्ध कल्याण को केवल सरकारी योजना या पेंशन के दायरे में नहीं देखा जा सकता। परिवार को यह समझना होगा कि वृद्ध माता-पिता को केवल भोजन और दवा नहीं चाहिए; उन्हें बातचीत चाहिए, सम्मान चाहिए, निर्णयों में सहभागिता चाहिए और यह भरोसा चाहिए कि वे परिवार के लिए अब भी महत्वपूर्ण हैं। आज की युवा पीढ़ी को यह बात विशेष रूप से समझनी होगी कि माता-पिता का वर्तमान हमारे भविष्य का संकेत है। जो व्यवहार हम आज अपने वृद्ध माता-पिता के साथ करेंगे, आने वाला समय उसी व्यवहार को हमारे सामने खड़ा करेगा। आज हम युवा हैं, कल हम वृद्ध होंगे। आज जिन आंखों को हम अनदेखा कर रहे हैं, कल उन्हीं जैसी आंखों में हमारी अपनी संतानों के व्यवहार का प्रतिबिंब दिखाई दे सकता है। इसलिए वृद्धों की सेवा दया नहीं, कर्तव्य है; उनका सम्मान उपकार नहीं, संस्कार है।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस की वास्तविक सार्थकता तभी होगी जब यह एक दिन का आयोजन न रहकर जीवन की स्थायी दृष्टि बने। परिवार में सप्ताह में एक दिन नहीं, प्रतिदिन संवाद हो; समाज में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सक्रिय सामुदायिक मंच हों; स्थानीय संस्थाएं उन्हें ज्ञान, अनुभव और सेवा के अवसर दें; सरकार स्वास्थ्य, पेंशन और सुरक्षा की व्यवस्थाओं को मजबूत करे और युवा पीढ़ी अपनी सोच में परिवर्तन लाए। वृद्धावस्था जीवन की संध्या है, लेकिन संध्या का अर्थ अंधेरा नहीं होता। वह दिनभर की यात्रा के बाद सुनहरी रोशनी का समय भी हो सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि परिवार उस रोशनी को बुझने न दे। हमारे वृद्ध जीवन के बीते हुए पन्ने नहीं, आने वाली पीढ़ियों के लिए अनुभव की खुली किताब हैं। यदि हम उनके अंतिम वर्षों को भय, अकेलेपन और उपेक्षा से भर देंगे तो हम केवल उनके साथ अन्याय नहीं करेंगे, बल्कि अपनी सभ्यता और संस्कारों को भी कमजोर करेंगे। इसलिए आज संकल्प होना चाहिए-वृद्धों के जीवन में अंधेरा नहीं, सम्मान का उजाला हो; अकेलापन नहीं, अपनापन हो; उपेक्षा नहीं, सहभागिता हो और शेष जीवन बोझ नहीं, आनंद एवं गरिमा का उत्सव बने। यही विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस का वास्तविक संदेश और हमारी सबसे बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी है।

अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा ने व्यापारियों के साथ की गोष्ठी, सुरक्षा व्यवस्था और अतिक्रमण पर दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार को अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया द्वारा पुलिस कार्यालय सभागार में व्यापारी सुरक्षा फोरम संगठन के पदाधिकारियों के साथ गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में सुरक्षा व्यवस्था एवं अवैध अतिक्रमण को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। गोष्ठी के दौरान उपस्थित सम्मानित व्यापारी बंधुओं से वार्ता कर उनका कुशलक्षेम लिया गया। उनकी समस्याओं की जानकारी प्राप्त कर सुरक्षा से संबंधित समस्त पहलुओं की समीक्षा की गई। एएसपी महोदय ने समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण करने का आश्वासन देते हुए व्यापारियों को सम्पूर्ण सुरक्षा का भरोसा दिलाया। एएसपी द्वारा निर्देश दिए गए कि ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत सुरक्षा की दृष्टि से सभी व्यापारी अपने-अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाएं, रात में पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था रखें। आपसी सहयोग से मार्केट में सुरक्षा गार्ड/चौकीदार की व्यवस्था करें। कैश के परिवहन से पहले पुलिस को सूचित करें। यातायात सुचारू रखने के लिए सड़क पर अतिक्रमण न करें और व्यापार अपने प्रतिष्ठान के अंदर ही करें। साइबर अपराध और ठगी से बचाव के उपाय अपनाएं। गोष्ठी के दौरान एएसपी ने उपस्थित सभी व्यापारी बंधुओं को साइबर अपराध एवं साइबर ठगी के संबंध में जागरूक किया तथा इससे बचने के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।इस दौरान व्यापारी सुरक्षा फोरम संगठन के पदाधिकारी एवं अन्य सम्मानित व्यापारी बंधु मौजूद रहे।

रजबपुर हाईवे 9 पर तेज रफ़्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई,एक घायल

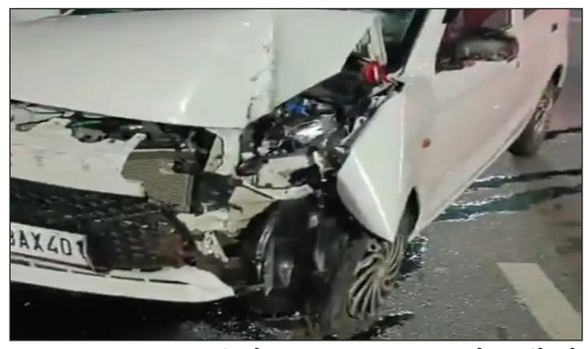

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर हाईवे के बीच बने डिवाइडर से जा टकराई। इस हादसे में एक कार सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया यह हादसा बुधवार और बृहस्पतिवार की मध्य रात्रि में हुआ। टक्कर लगने से कर का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। बता दें कि यह पूरा मामला थाना रजबपुर क्षेत्र के गांव चकरुस्तमपुर के पास का है।जानकारी के मुताबिक, एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।कार में सवार घायल युवक की पहचान अमरोहा जनपद के डिडौली थाना क्षेत्र के गांव जग्गा नगला निवासी नरेंद्र पुत्र जयसिंह के रूप में हुई है। उन्हें गंभीर चोटें आई हैं।हादसे के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची।पुलिस ने घायल युवक को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार चल रहा है। क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त वाहन को हाईवे से हटाकर यातायात को सुचारु किया गया। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।अतरासी चौकी इंचार्ज लोकेश कुमार ने बताया कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी और घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

मंडलीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- मंडलीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन की तैयारियों को लेकर राजकीय इंटर कॉलेज में जिला विद्यालय निरीक्षक शतानन्द शर्मा की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रतियोगिता से संबंधित व्यवस्थाओं, तैयारियों एवं दायित्वों पर विस्तार से चर्चा हुई। सर्वसम्मति से राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. निशांत यादव को संयोजक तथा प्रधानाचार्य विकास कुमार को सहसंयोजक नियुक्त किया गया। क्रीड़ा प्रभारी सरदार सुरेंद्र सिंह एवं क्रीड़ा सचिव विजय सिंह ने खेल मैदान, प्रतिभागियों की व्यवस्थाओं तथा अन्य आवश्यक तैयारियों की जानकारी दी। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या स्नेहलता शर्मा, प्रधानाचार्य पवन त्यागी, चारू शर्मा तथा ए.के.के. इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य आदिल अब्बासी के साथ जनपदीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के आयोजन एवं तिथि पर भी विचार-विमर्श किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक शतानन्द शर्मा ने कहा कि प्रतियोगिता को भव्य एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए सभी अधिकारी, प्रधानाचार्य एवं व्यायाम शिक्षक आपसी समन्वय से कार्य करें। खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा खेल भावना व अनुशासन का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी अरुण त्यागी, नरेश सिद्ध, वीरेंद्र गुप्ता तथा व्यायाम शिक्षक वीर सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

गजरौला पुलिस ने धारा 170 के तहत 04 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद गजरौला थाना पुलिस ने धारा 170 के तहत 04 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस द्वारा इस कार्यवाही को अमरोहा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देश अनुसार जनपद भर में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत किया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में विपिन पुत्र हरि सिंह उम्र 22 वर्ष निवासी छोया,थाना गजरौला ,जनपद अमरोहा,मोहित पुत्र विजय सिंह उम्र करीब 26 वर्ष निवासी ग्राम छोया, थाना गजरौला, जनपद अमरोहा, योगराज पुत्र मूलचंद उम्र करीब 33 वर्ष निवासी ग्राम रायपुर सुमाली थाना गजरौला ,जनपद अमरोहा, चंद्रशेखर पुत्र तेजपाल उम्र करीब 30 वर्ष निवासी ग्राम रायपुर सुमाली थाना गजरौला, जनपद अमरोहा शामिल है। पुलिस द्वारा सभी गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों के विरुद्ध धारा 170 के तहत वैधानिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया गया है।

मुख्य विकास अधिकारी ने बालिका छात्रावास का किया आकस्मिक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र द्वारा समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित राजकीय बालिका छात्रावास का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने छात्रावास भवन के सभी कक्षों, परिसर एवं व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रावास प्रांगण तथा भवन में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। छात्राओं द्वारा बताई गई समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। छात्रावास में चल रहे निर्माण एवं मरम्मत कार्यों का भी निरीक्षण किया गया तथा कार्यदायी संस्था को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने छात्राओं से संवाद कर उनकी पढ़ाई, रहन-सहन एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने छात्राओं को खेलकूद के लिए खेल सामग्री उपलब्ध कराने तथा अध्ययन के लिए लाइब्रेरी सुविधा को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि शासन की सभी छात्रहितकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र छात्रा तक समयबद्ध रूप से पहुंचना चाहिए।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि छात्रावास में गुणवत्तापूर्ण वातावरण एवं सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है, जिससे छात्राएं बेहतर ढंग से अध्ययन कर अपने उज्ज्वल भविष्य एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकें। निरीक्षण के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी अमरदीप, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी रेखा शर्मा, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी सुश्री अलका चौधरी, जिला युवा कल्याण अधिकारी तथा सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग एवं छात्रावास अधीक्षक प्रदीप सक्सेना उपस्थित रहे।

बछरायूं नगर पालिका की बोर्ड बैठक नियमित रूप से आयोजित ना होने पर सभासदों ने जताई नाराजगी, जताया विरोध

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की नगर पालिका बछरायूं के सभासदों ने नगर पालिका बछरायूं की प्रतिमाह होने वाली बोर्ड की बैठक के नियमित रूप से न होने व क्षेत्र की जन समस्याओं की अनदेखी को लेकर कड़ा विरोध जताया है। इस पर नाराजगी जताते हुए नगर के सभी सभासदों में आक्रोश जताया है और सभी सभासदों ने इकट्ठा होकर पालिका प्रशासन एवं अधिशासी अधिकारी के विरुद्ध आक्रोश व्यक्त किया है। बता दें कि नगर के नामित सभासद शेख चिरागउद्दीन ने उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम 1916 की धारा 86(1) का हवाला देते हुए बताया कि कानूनन पालिका में प्रतिमाह (साल में कम से कम 12) बोर्ड बैठक होना अनिवार्य है। इसके बावजूद, स्थानीय स्तर पर नियमों की अनदेखी कर साल में केवल 2 या 3 बैठकें ही कराई जा रही हैं।सभासदों का आरोप है कि बैठकों के अभाव में करीब 50 से 60 हजार की आबादी वाले इस नगर क्षेत्र में विकास कार्य, सफाई और स्वास्थ्य व्यवस्थाएं ठप पड़ी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले कार्यकालों में चलने वाली एंबुलेंस सेवाएं अब बंद हो गई हैं। लंबे अंतराल के कारण वे अपने वार्डों के प्रस्ताव बोर्ड के समक्ष नहीं रख पा रहे हैं।वार्ड स्तर की समस्याओं पर नाराजगी जताते हुए वार्ड-1 के सभासद सुरेंद्र कुमार बबलू ने स्ट्रीट लाइटों के संकट और लटकते तारों का मुद्दा उठाया। वार्ड-5 के सभासद संजीव कुमार ने बताया कि रेलवे स्टेशन रोड पर लगी नई लाइटों में से आधी बंद हैं, जिससे यात्रियों को अंधेरे में गुजरना पड़ता है। वहीं, वार्ड-6 के सभासद आकाश कुमार ने तीन महीने पहले लगे सबमर्सिबल पंप के चालू न होने की शिकायत की।सभासदों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नियमानुसार हर माह एजेंडे के साथ बैठक आयोजित नहीं की गई, तो वे उच्चाधिकारियों और शासन के समक्ष विरोध दर्ज कराएंगे। इस दौरान फहीम अनवर कुरैशी, सुरेश सैनी, राहुल आर्य, अफसर अली, मोनी चौधरी, निजावत चौधरी, बिजेंद्र कुमार और संजीव कुमार (सभासद पति) मौजूद रहे। दूसरी ओर, आरोपों पर सफाई देते हुए अधिशासी अधिकारी दीपिका यादव ने कहा कि बोर्ड बैठक बुलाने का अधिकार पालिका अध्यक्ष का होता है। उन्होंने यह भी कहा कि जिन सभासदों को व्यक्तिगत या वार्ड स्तर पर शिकायतें हैं, वे सीधे उनसे संपर्क करें; उनकी समस्याओं का समाधान कराया जाएगा।

मुख्य विकास अधिकारी ने बालिका छात्रावास का किया आकस्मिक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- विकास भवन सभागार, अमरोहा में मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जनपद स्तरीय अनुश्रवण समितियों एवं आत्मा (ATMA) गवर्निंग बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण से संबंधित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा योजना), नमामि गंगे योजना के अंतर्गत जैविक खेती कार्यक्रम, परंपरागत कृषि विकास योजना, राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन, नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल सीड्स, नेशनल फूड सिक्योरिटी मिशन (दलहन एवं न्यूट्री सीरियल घटक), कृषि सूचना तंत्र सुदृढ़ीकरण, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, तालाब योजना, एनएमएसए योजना, पंडित दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना तथा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (वाटरशेड घटक-2.0) सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र किसान तक समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन गुणवत्ता एवं निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए। साथ ही विभागीय समन्वय को मजबूत करते हुए किसानों को योजनाओं की जानकारी व्यापक स्तर पर उपलब्ध कराई जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र कृषक इन योजनाओं से लाभान्वित हो सकें। उन्होंने योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग, लक्ष्य के अनुरूप प्रगति, फील्ड स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन तथा समय-समय पर स्थलीय निरीक्षण करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा योजना) के अंतर्गत भूमि संरक्षण अधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को अवगत कराते हुए कहा कि गत वित्तीय वर्ष में 480 खंड प्रदर्शन आयोजित किए गए थे, जबकि चालू वित्तीय वर्ष में 270 खंड प्रदर्शन आयोजित किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार गत वित्तीय वर्ष में 4,830 कृषकों को नवीनतम कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण तथा 966 कृषकों का अध्ययन भ्रमण कराया गया था। चालू वित्तीय वर्ष में 1,830 कृषकों को प्रशिक्षण एवं 546 कृषकों के अध्ययन भ्रमण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कृषक समूहों के क्षमता विकास, कृषक पुरस्कार योजना तथा योजना के अंतर्गत कार्यरत तकनीकी एवं अन्य कार्मिकों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाए तथा योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार एवं प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग की प्रत्येक योजना का क्रियान्वयन पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं उत्तरदायित्व के साथ किया जाए, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा मिल सके।

इस अवसर पर उपनिदेशक कृषि महेंद्र पाल सिंह, जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार, जिला भूमि संरक्षण अधिकारी डॉ. भगवंत सरन, सहायक निदेशक मत्स्य, कंप्यूटर प्रोग्रामर भरत गंगवार सहित कृषि विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा किसान उपस्थित रहे।

द आर्यन्स में कम्प्यूटेशनल थिंकिंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित कार्यशाला का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के अग्रणी शिक्षण संस्थान द आर्यन्स, जोया में आज दिनांक 20 अगस्त 2026 को आधुनिक तकनीकी ज्ञान से जोड़ने तथा उनमें तार्किक, रचनात्मक एवं समस्या-समाधान की क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से विद्यार्थियों को कम्प्यूटेशनल थिंकिंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (Artificial Intelligence) पर आधारित विशेष कार्यशाला का प्रथम बार कक्षा 3 से कक्षा 8 के विद्यार्थियों के लिए पाठ के पठन-पाठन का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विभिन्न विद्यालयों से आए प्रतिभाशाली प्रशिक्षकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस दौरान विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को कम्प्यूटेशनल थिंकिंग के विभिन्न आयामों, तार्किक चिंतन, डेटा के उपयोग, समस्या-समाधान तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता एवं भविष्य की संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों को गतिविधियों एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से अक की कार्यप्रणाली को समझाया गया। प्रतिभागियों ने विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करते हुए अपनी तार्किक क्षमता एवं तकनीकी समझ का प्रदर्शन किया। कार्यशाला के दौरान शिक्षकों व प्रशिक्षकों में अकको लेकर विशेष उत्साह और जिज्ञासा देखने को मिली। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने कहा कि आज के तकनीकी युग में विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें नई एवं उभरती तकनीकों की जानकारी देना आवश्यक है। कम्प्यूटेशनल थिंकिंग विद्यार्थियों में तार्किक दृष्टिकोण विकसित करती है तो वहीं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उन्हें भविष्य की तकनीकी दुनिया को समझने का अवसर प्रदान करता है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह एवं अनिल कुमार सिंह तथा निदेशक अमन लिट्ट एवं गौरव चौधरी ने कार्यशाला के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उन्हें आधुनिक तकनीकी शिक्षा से जोड़ने के लिए निरंतर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। कार्यशाला के समापन पर ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल की प्रधानाचार्या रंजीता और हिल्टन कॉन्वेंट स्कूल के प्रधानाचार्य अवनीश शर्मा और द आर्यन्स के एआई विशेषज्ञ अभिषेक सुमन ने संयुक्त रूप से सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया गया तथा उन्हें तकनीक का रचनात्मक, सुरक्षित एवं जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने के लिए प्रेरित भी किया गया। कार्यशाला में मोहम्मद तैय्यब (ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल, गजरौला), अदिति (जी.डी.टी.एस. विद्या मंदिर, कैलसा), रितिका सोनी (राधा कृष्ण पब्लिक स्कूल), जितेन्द्र सिंह (शेमफोर्ड फ़्यूचरिस्टिक स्कूल), प्रीतम सिंह (सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल, गजरौला), बुशराह नवाज एवं महक (लिटिल स्कॉलर्स एकेडमी, अमरोहा), शुमैला खान एवं एरिज जैदी (मिलेनियम वर्ल्ड स्कूल), दीपांशु पवार एवं अविनाश कुमार (राधा माधव ग्लोबल स्कूल), शफीक अहमद एवं खुशबू अरोड़ा (ए.एस.एम. मॉडर्न एकेडमी, खाता) तथा अंजलि, धीरज महलावर एवं राहुल शाक्य (द आर्यन्स, जोया) ने कक्षा 3 से 8 तक छात्र छात्राओं के लिए उळ & अकको अपनी परियोजना में शामिल कर पाठ पढाया।

पत्रकार के घर में निकला इंडियन कॉमन करैत सांप, रात में मची अफरा-तफरी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के चितौरा रोड स्थित गायत्री कॉलोनी बहजोई में बुधवार की देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब पत्रकार अफसर अली के घर में एक जहरीला सांप दिखाई दिया। रात करीब 12:20 बजे घर के अंदर सांप को देखकर परिवार के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सांप को देखते ही परिवार के सदस्य घबराकर घर से बाहर निकल आए और काफी देर तक सहमे रहे। जानकारी के मुताबिक, बुधवार रात पत्रकार अफसर अली अपने परिवार के साथ घर में मौजूद थे। इसी दौरान घर में अचानक एक सांप दिखाई दिया। सांप को देखते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। सांप के जहरीला होने की आशंका के चलते किसी ने उसे पकड़ने का जोखिम नहीं उठाया।

परिवार के लोग घर से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थान पर खड़े हो गए। घटना की सूचना तत्काल जाबुल स्नेक सेवर को फोन पर दी गई। सूचना मिलते ही जाबुल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए करीब 20 मिनट के भीतर मौके पर पहुंचकर घर की जांच शुरू की। काफी तलाश के बाद सांप घर में रखी वाशिंग मशीन के अंदर छिपा हुआ मिला। स्नेक सेवर ने सावधानीपूर्वक रेस्क्यू अभियान चलाकर सांप को सुरक्षित बाहर निकाला और पकड़ लिया। सांप को सुरक्षित पकड़ लिए जाने के बाद परिवार के लोगों ने राहत की सांस ली। मौके पर मौजूद जाबुल स्नेक सेवर ने बताया कि पकड़ा गया सांप इंडियन कॉमन करैत है, जिसे बेहद जहरीली प्रजातियों में शामिल किया जाता है। उन्होंने बताया कि करैत आमतौर पर रात के समय अधिक सक्रिय होता है और कई बार घरों में घुसकर अंधेरी एवं गर्म जगहों में छिप जाता है। स्नेक सेवर ने लोगों से अपील की कि घर में सांप दिखाई देने पर उसे खुद पकड़ने या मारने का प्रयास न करें। विशेष रूप से रात के समय सांप को छेड़ना खतरनाक हो सकता है। ऐसी स्थिति में तुरंत प्रशिक्षित स्नेक रेस्क्यू टीम को सूचना देकर सांप को सुरक्षित रेस्क्यू कराया जाना चाहिए।

पत्रकार के घर में आधी रात को जहरीले करैत के निकलने की घटना से आसपास के लोगों में भी दहशत का माहौल बना रहा। गनीमत रही कि समय रहते सांप को देख लिया गया और स्नेक सेवर की मदद से उसे सुरक्षित पकड़ लिया गया, जिससे परिवार के लोगों को संभावित खतरे से बचा लिया गया।

छात्राओं के स्वास्थ्य की हुई गहन जांच, बालिकाओं ने कराया परीक्षण

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- भारत विकास परिषद मुख्य शाखा चंदौसी एवं नवोदय शाखा चंदौसी के संयुक्त तत्वावधान में रामप्यारी आर्य कन्या इंटर कॉलेज में एक दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कक्षा 8 से 12 तक की करीब 150 छात्राओं के स्वास्थ्य की जांच की गई। शिविर में बालिकाओं में एनीमिया और हीमोग्लोबिन के स्तर की जांच पर विशेष जोर दिया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदौसी के पैथोलॉजिस्ट एवं स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

जांच के दौरान जिन छात्राओं में हीमोग्लोबिन की कमी पाई गई, उन्हें आवश्यक दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। साथ ही उन्हें पौष्टिक आहार, बेहतर दिनचर्या और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के संबंध में जरूरी परामर्श दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को एनीमिया जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूक करना तथा समय रहते स्वास्थ्य संबंधी कमियों की पहचान कर उनका उपचार सुनिश्चित करना रहा। आयोजकों ने कहा कि बालिकाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए नियमित जांच और संतुलित आहार बेहद जरूरी है।

इस अवसर पर प्रांत संयोजक एस.एन. शर्मा, आशा बिसारिया, नवोदय शाखा अध्यक्ष विष्णु कुमार शर्मा एडवोकेट, दग पाल सिंह, नितिन गुप्ता एवं नवोदय शाखा सचिव मधुर कुमार वार्ष्णेय सहित विद्यालय परिवार के सदस्य मौजूद रहे। विद्यालय परिवार ने भारत विकास परिषद की इस सामाजिक एवं स्वास्थ्यवर्धक पहल की सराहना की।

तीजोत्सव में महिलाओं ने बिखेरे संस्कृति और उमंग के रंग

चन्दौसी/संभल (सब का सपना):- भारत विकास परिषद नव उदय शाखा चन्दौसी के तत्वावधान में तीजोत्सव समारोह का भव्य आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर तीज पर्व की पारंपरिक संस्कृति, उमंग और उल्लास को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद एवं भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन, पुष्पार्पण तथा वंदे मातरम के साथ हुआ। इसके बाद अवनी ने गणेश वंदना और आकृति ने मनमोहक स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में महिलाओं का तिलक कर स्वागत किया गया। पारंपरिक परिधानों और आकर्षक श्रृंगार में सजी महिलाओं ने समारोह

की सुंदरता में चार चांद लगा दिए। तीजोत्सव के दौरान तीज क्वीन, मेहंदी, मनोरंजक खेल, प्रश्नोत्तरी, नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समारोह का विशेष आकर्षण तीज क्वीन प्रतियोगिता रही। विभिन्न चरणों में हुई प्रतियोगिता के बाद सर्वसम्मति से राजनी शर्मा को तीज क्वीन चुना गया। उन्हें ताज पहनाकर सम्मानित किया गया। तीज क्वीन चुने जाने पर उपस्थित महिलाओं ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर शाखा पदाधिकारियों ने कहा कि तीज जैसे सांस्कृतिक आयोजन भारतीय परंपराओं, संस्कारों और पारिवारिक मूल्यों को आगे बढ़ाने का माध्यम हैं। ऐसे कार्यक्रमों से महिलाओं को एक-दूसरे से जुड़ने का अवसर मिलता है तथा समाज में प्रेम, सौहार्द और भाईचारे की भावना मजबूत होती है। आयोजन को सफल बनाने में सुनीता शर्मा, संध्या गुप्ता, नीतू अग्रवाल, प्रीति कश्यप, नीरू वार्ष्णेय, रीनू बंसल एवं नीलिमा गुप्ता का विशेष सहयोग रहा। अंत में सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया। पूरे आयोजन में संस्कृति, सेवा और संस्कार की भावना दिखाई दी और तीजोत्सव की खुशियों ने सभी को आनंद एवं उत्साह से भर दिया।

जीव-जंतुओं की सेवा के साथ वृक्षारोपण कर दे रहे पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कालीचरण गायत्री परिवार बहजोई द्वारा जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों एवं गौ माता की निस्वार्थ सेवा के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। परिवार के सदस्यों द्वारा प्रतिदिन पशु-पक्षियों की सेवा की जाती है और लोगों को जीवों के प्रति दया व प्रेम का संदेश दिया जाता है। कालीचरण गायत्री परिवार की ओर से विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण भी किया गया। बहजोई से मां गंगा राजघाट तक सड़क के डिवाइडर पर फलदार एवं फूलदार पौधे लगाए गए। बहजोई स्थित खाटू श्याम मंदिर परिसर में बरगद का पौधा रोपा गया। इसके अलावा कोतवाली धनारी के गेट व परिसर में गमलों में फूलदार पौधे लगाए गए। इंस्पेक्टर नरेश पाल सिंह के नेतृत्व में भोलेनाथ मंदिर परिसर में भी वृक्षारोपण किया गया। बबराला थाना परिसर तथा कोतवाली बहजोई में भी पौधे लगाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। कालीचरण गायत्री परिवार ने लोगों को संदेश देते हुए कहा कि वृक्ष लगाओ जीवन बचाओ। पेड़-पौधे मनुष्य को शुद्ध ऑक्सीजन के साथ फल, फूल, छाया और लकड़ी प्रदान करते हैं। पर्यावरण को संतुलित रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। परिवार की ओर से बताया गया कि संस्था द्वारा नगर बहजोई में प्रत्येक बृहस्पतिवार को हवन-पूजन का आयोजन किया जाता है। इसके साथ ही प्रतिदिन योगाभ्यास भी कराया जाता है। संस्था का उद्देश्य सेवा, संस्कार, पर्यावरण संरक्षण और समाज में जागरूकता की भावना को बढ़ावा देना है।

पुरानी रंजिश में दो पक्ष भिड़े, लाठी-डंडों से मारपीट और पथराव,छह गिरफ्तार

जुनावई/संभल (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम भैमूरा में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में गाली-गलौज के बाद लाठी-डंडों से मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान ईंट-पत्थर भी फेंके गए और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए गए। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छह वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार गुरुवार को ग्राम भैमूरा में पुरानी रंजिश को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए।

विवाद बढ़ने पर दोनों ओर से गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से मारपीट की गई तथा ईंट-पत्थर फेंके गए। घटना से गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मामले की सूचना मिलने पर थाना जुनावई पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने मुकदमे में वांछित राहुल पुत्र पप्पू (28 वर्ष), गुड्डू पुत्र महावीर (26 वर्ष), नन्हे पुत्र महावीर (24 वर्ष), अमित पुत्र महावीर (22 वर्ष), सर्वेश पुत्र रमेश (35 वर्ष) तथा अमित उर्फ हरकेश पुत्र प्रेमराज (36 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार सभी आरोपी ग्राम भैमूरा के रहने वाले हैं। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लोगों से विवाद से दूर रहने की अपील की है।

कृषि यंत्रीकरण की ई लॉटरी हुई सम्पन्न

शामली (सब का सपना):- शामली मे बृहस्पतिवार को मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में कृषि विभाग की सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन एवं प्रमोशन आफ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फार इन-सीटू मैनेजमेंट आफ क्राप रेड्डयू योजनान्तर्गत कृषि यन्त्रों पर अनुदान दिये जाने के लिए कृषकों का ई-लाटरी के माध्यम से चयन किया गया। नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन योजनान्तर्गत सब

मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन एवं प्रमोशन आफ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फार इन-सीटू मैनेजमेंट आफ क्राप रेड्डयू योजनान्तर्गत कृषि यन्त्रों पर अनुदान हेतु ऑनलाईन बुकिंग करने वाले लाभार्थियों का चयन ई-लाटरी के माध्यम से विकास भवन सभागार शामली में जिला स्तरीय समिति के सम्मुख मुख्य विकास अधिकारी शामली की अध्यक्षता मे सम्पन्न किया गया। मुख्य रूप से कस्टम हायरिंग सेन्टर, किसान ड्रोन, सुपर सीडर, बेलर, काप रीपर, हैप्पी सीडर, रोटावेटर कल्टीवेटर, हैरो, लेजर लैंड लेवेलर, पावर टीलर, फार्म मशीनरी बैंक, शुगर केन पावर वीडर एवं चैप कटर आदि कृषि यंत्र शामिल है।

संभल जाने से रोके गए शिव सैनिक, पुलिस से हुई नोकझोंक

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- श्रावण माह में हरिद्वार से गंगाजल लेकर संभल स्थित हरिहर मंदिर में जल चढ़ाने जा रहे शिव सैनिकों को गुरुवार को पुलिस प्रशासन ने नगीना चौराहे पर रोक दिया। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर शिव सैनिकों को आगे जाने से रोक दिया। इसको लेकर शिव सैनिकों ने नारेबाजी की और पुलिस के साथ तीखी नोकझोंक हो गई। शिव सैनिकों का कहना था कि वे हर वर्ष की तरह इस बार भी हरिद्वार से गंगाजल लेकर संभल स्थित हरिहर मंदिर में जलाभिषेक के लिए जा रहे थे। नगीना चौराहे पर पुलिस ने उन्हें रोक दिया। मौके पर पुलिस बल की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक कहासुनी होती रही और झड़प की स्थिति बन गई। पुलिस अधिकारियों ने शिव सैनिकों को समझाते हुए संभल न जाने का

अनुरोध किया। इसके बाद पुलिस सभी शिव सैनिकों को कोतवाली धामपुर ले गई। करीब एक घंटे तक थाने में रोके जाने के बाद पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में शिव सैनिकों के साथ लाए गए हरिद्वार के गंगाजल को पंजाबी कॉलोनी स्थित शिव मंदिर में शिवलिंग पर चढ़वाया गया।

इस दौरान शिव सैनिकों ने प्रशासन से सवाल करते हुए कहा कि यदि संभल स्थित हरिहर मंदिर को लेकर सुरक्षा संबंधी परिस्थितियां हैं तो प्रशासन को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने संभल स्थित मंदिर में जल चढ़ाने की अनुमति दिए जाने की मांग भी की। कार्यक्रम में शिवसेना मंडल प्रमुख आरके आर्य एडवोकेट, जिला प्रमुख चौधरी संजय राणा, युवा सेवा जिला प्रमुख विकास त्यागी, भवानी सिंह, जिला प्रमुख सोनम त्यागी और नगर प्रमुख धामपुर कांति सैनी सहित बड़ी संख्या में शिव सैनिक मौजूद रहे। इस दौरान सुखिया देवी, अनीता देवी, पूनम देवी, स्नेहा चौहान, विजय लक्ष्मी, उर्मिला देवी, पुष्पा देवी, पूनम त्यागी, राधिका राजपूत, डिम्पी यादव, मिथलेश देवी, शांति देवी, कुसुम देवी, अंजू त्यागी, सुमन त्यागी, नितिन चौहान, नरेंद्र सिंह, वरुण कुमार चौहान, शानू शर्मा, अरविंद कुमार, गुरमीत कौर, सरदार कुलदीप सिंह, जसवंत सिंह सैनी, राजू सैनी, मनीष सैनी, राहुल सैनी, विनोद सैनी, प्रकाश सैनी, सुमित यादव, रोहित सैनी, जितेंद्र, परविंदर, दीपेंद्र, आदेश त्यागी, उत्तम सिंह, महेंद्र सिंह, रवि कुमार, जसराम, अशोक कुमार, यादराम सिंह, गुलशन, घनश्याम सिंह, नाथू सिंह, राम सिंह, संदीप चौधरी, विनोद चौहान, बृजमोहन प्रजापति, क्षेत्रपाल प्रजापति, रामपाल सिंह, जॉनी चौहान, उत्तम कुमार सिंह, मनवीर यादव और चंद्र प्रकाश सैनी समेत अन्य शिव सैनिक मौजूद रहे।

विकास योजनाओं की समीक्षा में सीडीओ ने दिए समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के निर्देश

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में गुरुवार को जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड (दर्पण पोर्टल) तथा जनपद में संचालित एवं निमार्णाधीन विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य विकास अधिकारी ने फैमिली आईडी की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि पात्र परिवारों की फैमिली आईडी का कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाए। उन्होंने कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की हिदायत दी। स्वच्छता

अभियान की समीक्षा के दौरान ग्राम पंचायतों में विशेष अभियान चलाकर साफ-सफाई व्यवस्था प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। वहीं निराश्रित महिला पेंशन योजना की समीक्षा करते हुए पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ दिलाने के लिए ग्राम स्तर पर कैंप आयोजित करने को कहा गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी पात्र लाभार्थी पेंशन से वंचित न रहे। बैठक में आईसीडीएस, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, विद्युत आपूर्ति, पशुधन विकास, प्रोजेक्ट अलंकार, समाज कल्याण, सिंचाई, सहकारिता, जल निगम तथा जननी सुरक्षा योजना सहित शासन की प्राथमिकता वाली विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। निमार्णाधीन परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान पुलिस लाइन के निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली गई। सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित प्रगति की नियमित समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। श्रम विभाग की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश भी दिए गए, ताकि अधिक से अधिक पात्र श्रमिक एवं आमजन शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी राम आशीष, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी अनार सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

अमौली विकासखंड परिसर में किसान गोष्ठी संपन्न, विधायक राजेंद्र सिंह पटेल ने दिया खाद-बीज की समस्या सुलझाने का आश्वासन

अमौली/फतेहपुर (सब का सपना):- त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड अमौली के परिसर में [विकासखंड स्तरीय खरीफ गोष्ठी]) का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जहानाबाद के क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र सिंह पटेल मौजूद रहे। उनके साथ विशिष्ट अतिथियों में विकासखंड प्रमुख सुरेश कुमार शिवहरे, जिला मंडल अध्यक्ष संतोष कुमार गुप्ता

तथा मंडल अध्यक्ष राम भक्त वर्मा उपस्थित रहे। गोष्ठी के दौरान विनय कुमार शर्मा, सोनू भारती सहित उपस्थित कई किसानों ने अपनी कृषि संबंधी चिंताओं और खाद की किल्लत की समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा। समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए विधायक राजेंद्र सिंह पटेल ने किसानों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र में खाद की समस्या को तुरंत हल किया जाएगा। इसके साथ ही, कार्यक्रम स्थल पर कृषि विभाग के अधिकारियों की देखरेख में किसानों का डिजिटल रजिस्ट्रेशन कराया गया तथा आगामी फसलों के लिए बीज की एडवांस बुकिंग भी सुनिश्चित की गई।

गुलदार का आतंक, खेलते समय लापता हुआ बालक, सुबह खेत में मिला शव

बिजनौर (सब का सपना):- खुशहालपुर मड़का उर्फ आरफपुर खजूरी गांव में बुधवार शाम लापता हुए सात वर्षीय बालक अनिकेत उर्फ कालू की गुरुवार सुबह गन्ने के खेत में क्षत-विक्षत शव मिलने से सनसनी फैल गई। बालक के शरीर पर मिले निशानों और घटनास्थल की परिस्थितियों को देखते हुए ग्रामीणों ने गुलदार के हमले की आशंका जताई है। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है और ग्रामीण बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। बताया गया कि भूदेव कश्यप का पुत्र अनिकेत बुधवार शाम गांव में खेल रहा था। इसके बाद वह अचानक लापता हो गया। काफी देर

तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। रातभर ग्रामीणों ने गांव के आसपास, रास्तों और खेतों में खोजबीन की, लेकिन बालक का कोई पता नहीं चला। गुरुवार सुबह गांव से करीब 400 मीटर दूर गन्ने के खेत में ग्रामीणों को बालक के शरीर के अवशेष दिखाई दिए। सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों के अनुसार बालक के सिर और पेट के नीचे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त था तथा पैर का कुछ हिस्सा भी घटनास्थल के पास मिला। सूचना पर सामाजिक वानिकी के रेंजर रामकुमार, डिप्टी रेंजर हरगोविंद सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे। एसडीएम शैलेंद्र कुमार सिंह, सीओ आकांक्षा गौतम और प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर ग्रामीणों से जानकारी ली। वन विभाग ने संभावित गुलदार की तलाश के लिए ड्रोन से गन्ने के खेतों और आसपास के क्षेत्रों में निगरानी शुरू कर दी है। गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरे लगाए जाने की तैयारी है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में पहले भी गुलदार की गतिविधियां देखी गई थीं और सूचना देने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने गुलदार को जल्द पकड़ने की मांग की है।

अमरोहा धरने में जाने से रोकने को प्रजापति महासभा के जिलाध्यक्ष हाउस अरेस्ट

सुबह 9:30 बजे से शाम चार बजे तक पुलिस की निगरानी में रहे पंकज दक्ष, धरना समाप्त होने के समय मिली रिहाई

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- सुधांशु प्रजापति हत्याकांड को लेकर गुरुवार को अमरोहा जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में आयोजित धरना-प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने के लिए राष्ट्रीय प्रजापति महासभा (रजि.) बिजनौर के जिलाध्यक्ष पंकज कुमार दक्ष को धामपुर स्थित उनके कैंप कार्यालय, फूलबाग कॉलोनी में करीब साढ़े छह घंटे तक हाउस अरेस्ट रखा गया। पंकज कुमार दक्ष के अनुसार, सुबह करीब 9:30 बजे थाना धामपुर के प्रभारी निरीक्षक रविंद्र प्रताप सिंह पुलिस टीम के साथ उनके कैंप कार्यालय पहुंचे। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम करीब दो घंटे तक उनके कमरे में मौजूद रही। इसके बाद

रानीबाग पुलिस चौकी के हेड कांस्टेबल धर्मवीर खोखर की ड्यूटी उनके कैंप कार्यालय पर लगा दी गई। पंकज दक्ष ने बताया कि करीब 3:55 बजे पुलिसकर्मी की मौजूदगी में जीपीआरएस कैमरे से उनके कमरे की तस्वीर ली गई। इसके करीब पांच मिनट बाद शाम चार बजे हेड कांस्टेबल धर्मवीर खोखर ने उन्हें हाउस अरेस्ट से मुक्त कर दिया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय प्रजापति महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष दारा सिंह प्रजापति के नेतृत्व में सुधांशु प्रजापति प्रकरण को लेकर अमरोहा जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक धरना-प्रदर्शन निर्धारित था। धरना समाप्त होने के समय ही उन्हें भी हाउस अरेस्ट से मुक्त किया गया।

पंकज कुमार दक्ष ने कहा कि उन्हें अमरोहा जाने से रोका गया, लेकिन न्याय की आवाज को नहीं रोका जा सकता। उन्होंने सुधांशु प्रजापति प्रकरण की निष्पक्ष जांच, दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी, पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग दोहराई। हाउस अरेस्ट के दौरान पुलिस की मौजूदगी में ली गई तस्वीर भी पंकज दक्ष की ओर से उपलब्ध कराई गई है।

सुधांशु प्रजापति को न्याय दिलाने की मांग, अमरोहा जाने से पहले नजरबंद

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के गुलडियां निवासी स्वर्गीय सुधांशु प्रजापति के परिवार को न्याय दिलाने, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी समेत अन्य मांगों को लेकर राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ के जिला अध्यक्ष चौ. हरपाल सिंह प्रजापति अपने पुत्र आदित्य एडवोकेट के साथ अमरोहा जा रहे थे। आरोप है कि अमरोहा पहुंचने से पहले ही पुलिस ने उन्हें घर पर नजरबंद कर दिया। पुलिस की कार्रवाई के बाद

चौ. हरपाल सिंह प्रजापति ने कहा कि सुधांशु प्रजापति के परिवार को न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार की मांगों को प्रशासन के समक्ष मजबूती से उठाया जाएगा और फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी होनी चाहिए। नजरबंदी के दौरान मौके पर पुलिस टीम तैनात रही। टीम में दरोगा विष्णु शर्मा, विनय पंवार, सुमित पंवार, हरेंद्र मलिक, दीपक कुमार और शिवानी आदि शामिल रहे। महासंघ पदाधिकारियों ने कहा कि सुधांशु प्रजापति के परिवार को न्याय दिलाने की लड़ाई आगे भी जारी रहेगी। मामले को लेकर पुलिस की कार्रवाई क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

गोहावर जंगल में पुलिस की घेराबंदी, एक आरोपी मुठभेड़ में घायल

बिजनौर (सब का सपना):- थाना नूरपुर क्षेत्र के गोहावर के जंगल में बुधवार तड़के पुलिस और कथित बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के मुताबिक, मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसका साथी जंगल का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस टीमों को लगाया गया है। पुलिस के अनुसार बुधवार सुबह करीब चार बजे सूचना मिली थी कि गोहावर के जंगल में दो आरोपी कथित रूप से गोकशी की वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना पर नूरपुर पुलिस ने जंगल में

पहुंचकर घेराबंदी करते हुए चेकिंग शुरू कर दी। इसी दौरान पुलिस टीम को दो संदिग्ध दिखाई दिए। पुलिस का दावा है कि दोनों ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार पीछा किए जाने पर आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसका साथी जंगल में भागने में सफल रहा। घायल आरोपी की पहचान गुल्लू पुत्र मुर्तजा, निवासी गांव गावरी पनियाला, थाना नूरपुर के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी के साथ जंगल में गोवंश काटकर मांस बेचने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तमंचा, खोखा व जिंदा कारतूस, मोटरसाइकिल तथा गोकशी में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण बरामद करने का दावा किया है। घायल आरोपी को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले से छह मुकदमे दर्ज हैं। फरार आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

गन्ने की वैज्ञानिक खेती से बढ़ेगी किसानों की आमदनी:- ब्रजेश कुमार पटेल

मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के प्रयोग और एकीकृत कीट-रोग प्रबंधन पर दिया जोर

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- कृषि विज्ञान केंद्र नगीना में जिला गन्ना अधिकारी बिजनौर ब्रजेश कुमार पटेल की अध्यक्षता में गन्ने की तकनीकी खेती, मृदा स्वास्थ्य, एकीकृत रोग एवं कीट प्रबंधन तथा उत्पादकता वृद्धि विषय पर वृहद कृषक गोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को गन्ने की खेती में वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर उत्पादन और आमदनी बढ़ाने की जानकारी दी। गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिला गन्ना अधिकारी ब्रजेश कुमार पटेल ने कहा कि वर्तमान समय की आवश्यकताओं को देखते हुए गन्ने की खेती को टिकाऊ एवं अधिक लाभकारी बनाने के लिए उत्पादकता में वृद्धि जरूरी है। इसके लिए मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरकों का प्रयोग, खेत में कार्बनिक पदार्थ की मात्रा बनाए रखने के लिए

सड़ी हुई गोबर की खाद एवं हरी खाद का प्रयोग तथा आधुनिक कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देना आवश्यक है। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. केके सिंह ने अधिक उत्पादन के लिए खेत की गहरी जुताई, हरी खाद के रूप में कैंचा की खेती तथा गन्ने की खेती में कम से कम तीन उपयुक्त गन्ना प्रजातियों को अपनाने का सुझाव दिया। कीट एवं पादप रोग वैज्ञानिक डॉ. पिंटू कुमार ने गन्ने में लगने वाले प्रमुख कीट एवं रोगों की पहचान, रोकथाम और नियंत्रण की जानकारी दी। उन्होंने यांत्रिक, जैविक एवं रासायनिक नियंत्रण के समन्वित प्रयोग पर जोर दिया। शस्य वैज्ञानिक डॉ. शिवांगी ने किसानों को मृदा परीक्षण के आधार पर गन्ने में संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करने की सलाह दी। चीनी मिल बुंदकी के मुख्य महाप्रबंधक (गन्ना) अनिल चौहान ने मिल की ओर से किसानों के हित में संचालित योजनाओं तथा अनुदान पर दिए जाने वाले कृषि यंत्रों, कृषि रसायनों, सूक्ष्म पोषक तत्वों और ड्रोन से स्प्रे जैसी सुविधाओं की जानकारी दी।

गोष्ठी में बीकेयू (अराजनैतिक) युवा के प्रदेश अध्यक्ष दिगंबर सिंह, जिलाध्यक्ष भाकियू (अराजनैतिक) नितिन सिरोही, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, गन्ना समितियों के सचिव, चीनी मिल बुंदकी के सहायक महाप्रबंधक यशपाल सिंह सहित नवीन शर्मा, देवेंद्र गुप्ता, मोहित कुमार, सुशील कुमार आदि मौजूद रहे। सैकड़ों किसानों ने गोष्ठी में प्रतिभाग किया।

किसान संगठन के पदाधिकारियों ने भी गन्ने की खेती को अधिक लाभकारी एवं टिकाऊ बनाने के संबंध में अपने सुझाव साझा किए और किसानों से वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। गोष्ठी का संचालन ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक धामपुर एवं बुंदकी (नगीना) ने किया।

सफाई नायक पर महिला संविदा सफाई कर्मी से अश्लील बातें व उत्पीड़न का आरोप, उच्चाधिकारियों से की शिकायत

बिजनौर (सब का सपना):- नगीना नगर पालिका परिषद में तैनात एक महिला संविदा सफाई कर्मी ने अपने ही सफाई नायक पर अश्लील हरकतें करने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता सविदा सफाई कर्मी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ , महिला आयोग, डीजीपी पुलिस लखनऊ, जिलाधिकारी, समेत कई आला अधिकारियों को प्रार्थना पत्र भेजकर न्याय और कार्रवाई की गुहार लगाई है। पीड़ित महिला सफाई कर्मी का आरोप है कि उसी के हल्के (क्षेत्र) में तैनात संविदा सफाई कर्मी अरविंद कुमार, जो वर्तमान में सफाई नायक के रूप में कार्य कर रहा है, उसे लगातार प्रताड़ित कर रहा है। महिला का कहना है कि आरोपी सफाई नायक उस पर गलत नजर रखता है और काम के दौरान अश्लील बातें करता है। विरोध करने पर वह नौकरी से गैर-हाजिर करने और नौकरी से हटवाने की धमकी देता है। प्रार्थना पत्र में पीड़िता ने यह भी उल्लेख किया है कि आरोपी सफाई नायक आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है। इससे पहले भी वह पीड़िता के साथ छेड़छाड़ की घटना कर चुका है जिसकी लिखित तहरीर नगीना थाने जाकर महिला हेल्पलाइन में दी थी। लेकिन उसके दबंग साथियों ने सफाई नाइक अरविंद कुमार के साथ आकर धमकी दी थी की तुझे नौकरी से निकलवा देंगे या जान से मार देंगे। शिकायत में यह भी कहां है कि अरविंद कुमार ने नगर पालिका के उच्चाधिकारियों के साथ ऑफिस में घुसकर तोड़फोड़ की और अधिकारियों के साथ मारपीट कर चुका है, जिसके चलते उस पर पहले से ही एक आपराधिक मामला विचाराधीन है।

दबंग और आपराधिक छवि है। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और नियम विरुद्ध तरीके से सफाई नायक बने अरविंद कुमार को हटाए जाने की मांग की है।

राजीव गांधी की जयंती सद्भावना दिवस के रूप में मनाई

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- एम.एम. इंटर कॉलेज नगीना में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों एवं सेविकाओं ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती सद्भावना दिवस के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाई। कार्यक्रम कॉलेज के प्रधानाचार्य शाहिद अली गौहर के निर्देशन में आयोजित हुआ। इस अवसर पर स्वयंसेवकों एवं सेविकाओं को राजीव गांधी के जीवन, व्यक्तित्व एवं देश के प्रति उनके योगदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ

ही सद्भावना दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्र के प्रति समर्पण, शांति, प्रेम, सौहार्द एवं सामाजिक भाईचारे की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम अधिकारी रामकुमार सिंह गौतम ने स्वयंसेवकों एवं सेविकाओं को आपसी प्रेम, शांति, सौहार्द और भाईचारे के साथ रहने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर बृजमोहन सिंह, शहजाद अहमद, कैसा, सचिन रुहेला, विपिन कुमार सहित कॉलेज का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

ग्राम ढिकली की गौशाला एक बार फिर चचाओं में

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- विकास कुमार ने मंडलाआयुक्त को शिकायती पत्र भेजकर ग्राम ढीकली की गाऊशाला मैं चारा और दवा के अभाव में आए दिन गोवंश मरने का आरोप लगाया है। जिसके लिए गाऊशाला की संचालिका दोषी है। उन्होंने जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है। नगर के विकास कुमार पुत्र आसाराम ने मंडला आयुक्त मुरादाबाद को बृजेश शिकायती पत्र में कहां है की वह पिछले कई वर्षों से गौ सेवा के कार्य में लगे हैं और प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण अंचलों में गौ रक्षा और सेवा के उद्देश्य से स्थापित की गई गौशालाए जिनकी खुराक और दवाओ का पसा प्रति गोवंश के हिसाब से चारे और दवाइयो लिए प्रदेश सरकार कोष दिया जा रहा है। उन्होंने शिकायत पत्र में कहां की वह बीच-बीच में ग्रामीण क्षेत्रों मे बनी गौशालाओं में गोवंशो का हाल-चाल जानने आते जाते हे, उन्होंने कहां कि ग्राम जमालपुर ढीकली मैं बनी गौशाला जिसका सचालन श्रीमती रजनी जोहार पिछले कई वर्षों से करती चली आ रही है। और वर्तमान में गौवंशो कि संख्या 200 से अधिक है जिनके चारे और दवाइयो का पैसा शासन से आता है इसके बावजूद भी गौशाला के अधिकांश गोवंश कमजोर और बीमार है जिन्हें देख कर तस्वीर साफ नजर आती है कि इस गौशाला के गोवंश को समय से चार नहीं देने, चारे का अभाव, और दवाइयां का संकट उनके सामने बना हुआ है। उनका आरोप है कि जब शासन से गोवंशों के देखभाल चार और दवाइयां का पैसा प्रति माह मिल रहा है तो फिर वह पैसा गोवंचों के देखभाल और चाय पर खर्च नहीं किया जा रहा है। शिकायत में यह भी कहां गया है के जब वह गौशाला देखने गए थे तब उन्होंने कुछ ग्रामीणों से भी जानकारी की थी ग्रामीणों का कहना था कि आए दिन गोवंश मर रहे हैं और करने के बाद उनको ऐसे ही खेतों में डाल दिया जाता है उनका संस्कार के अनुसार दाह संस्कार नहीं किया जा रहा है। उन्होंने मंडला आयुक्त से गोविंद चौकी जांच कराने जांच में दोसी पाए जाने पर गौशाला के रखरखाव करने वालो के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने की मांग की है। ताकि गोवंशों को भरपेट भोजन और बीमार चल रहे गोवंसो समय से उपचार कराकर उन्हें बचाया जा सके। इस संबंध में ग्राम प्रधान निर्दोष देवी के पत्र मोनू कुमार का कहना है की क्षेत्र के गोपालक गौशाला मे बीमारू और कमजोर गोवंशों को छोड़कर जाते है। गौशाला संचालक उनके देखभाल करती हैं, जबकि उनके स्वास्थ्य के लिए हफ्ते में दो बार पशु चिकित्सक अमित चौहान आते हैं। गौशाला की संचालक रजनी जोहर का कहना है कि वह शासन से मिलने वाले पैसों को गोवंचों पर ही खर्च करती हैं चार और दवाइयां की व्यवस्था पूरी है। कुछ गमीणों ने अपना ना छपवाने की शर्त पर बताया कि गौशाला में गोवंशो को जितना चार दिया जाना चाहिए उतना चारा नहीं दिया जाता है,

यही कारण है गोवंश कमजोर हो रहे है तथा चारे के अभावम और समय से बीमार गोवंश का उपचार नहीं होने से आए दिन मार रहे है। उनका आरोप है कि शासन के पैसे का खुला दुरुपयोग किया जा रहा है।

तीन मूर्तियां लगाने की मांग, दुकानदारों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

बिजनौर (सब का सपन):- जिला कारागार के सामने स्थित तीन मूर्ति चौक को लेकर दुकानदारों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर पूर्व की व्यवस्था बहाल कराने की मांग की है। दुकानदारों का कहना है कि चौक पर पहले तीन मूर्तियां स्थापित थीं, जिससे इस स्थान की पहचान तीन मूर्ति चौक के रूप में होती थी। ज्ञापन में बताया गया कि कुछ माह पहले राम के चौराहे से नगर पालिका परिषद बिजनौर तक सड़क का निर्माण कराया गया था। इस दौरान पार्क को तोड़कर चौराहे के स्थान पर एक चौकोर पार्क बना दिया गया। दुकानदारों के अनुसार नगर पालिका के जेई और अधिशासी अधिकारी ने दुकानदारों से कहा था कि तीन मूर्तियां बनने तक उन्हें सुरक्षित रखा जाएगा। ज्ञापन के मुताबिक 19 अगस्त 2026 को दोपहर करीब एक बजे कुछ लोग बाल्मीकि की प्रतिमा ट्रैक्टर-ट्रॉली में लेकर पहुंचे और उसे चौराहे पर स्थापित कर दिया। उस समय नगर पालिका परिषद बिजनौर का कोई अधिकारी या कर्मचारी मौके पर मौजूद नहीं था। दुकानदारों ने जिलाधिकारी से मांग की कि चौराहे पर तीनों मूर्तियां स्थापित कराई जाएं, ताकि इसकी पुरानी पहचान बरकरार रहे। उन्होंने कहा कि नई परंपरा शुरू करने के बजाय भविष्य में जिस तरह चौराहे पर तीन मूर्तियां लगी थीं, उसी प्रकार मूर्तियां स्थापित की जाएं। ज्ञापन पर बड़ी संख्या में लोगों के हस्ताक्षर बताए गए हैं।

कुरआन शरीफ हिफ्ज पूरा करने पर हाफिज शादमान को दी मुबारकबाद

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- मोहल्ला नालबंदान स्थित खजूरों वाली मस्जिद में मोहल्ला सरायमीर निवासी हाफिज शादमान पुत्र नूरकमर ने मौलाना इस्लामुद्दीन के समक्ष कुरआन शरीफ हिफ्ज पूरा किया। इस खुशी में मस्जिद में धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुफ्ती ओवैस अकबर कासमी ने की तथा संचालन मौलाना हिफ्जुर्रहमान मजाहिरी ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ हाफिज बिलाल द्वारा कुरआन शरीफ की तिलावत से हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुफ्ती अबरार कासमी और मुफ्ती मुशाहिद कासमी ने कुरआन शरीफ की महानता, फजीलत तथा उसकी शिक्षाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि कुरआन शरीफ को हिफ्ज करना अल्लाह की ओर से बहुत बड़ी नेमत और सौभाग्य है। हाफिज शादमान और उनके परिवार को इस उपलब्धि पर मुबारकबाद देते हुए उन्होंने कहा कि कुरआन शरीफ को याद करना बड़ी खुशी की बात है, लेकिन उसके संदेश को अपनी जिंदगी में अपनाना और उसकी शिक्षाओं पर अमल करना भी बेहद जरूरी है। इस अवसर पर मुफ्ती बिलाल, मुफ्ती नबील, मुफ्ती कफील, कारी अतीक, मौलाना रियान, हाफिज बिलाल, हाफिज विसाल, मुफ्ती उस्मान, मौलाना रफीउज्जमां, मौलाना साकिब, कारी फरकान, हाफिज अतीक, मुफ्ती अफजल, मौलवी जैद सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

छात्राओं ने पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- इकबाल मेमोरियल जूनियर हाई स्कूल की स्काउट गाइड की छात्राओं ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। छात्राओं के इस सराहनीय प्रयास से स्कूल परिसर में हरियाली बढ़ाने के साथ ही अन्य विद्यार्थियों को भी प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरणा मिली। बृहस्पतिवार को स्कूल की स्काउट गाइड की छात्राओं कुमारी वरीशा, नशरा, सिदरा, राफिया व शमा आदि ने विद्यालय के पास खाली पड़ी भूमि पर विभिन्न पौधे लगाए। छात्राओं ने पौधों की देखभाल करने और अधिक से अधिक लोगों को पौधरोपण के लिए प्रेरित करने का संकल्प भी लिया। इस दौरान

विद्यालय का स्टाफ भी मौजूद रहा। विद्यालय के प्रबंधक हसन जावेद ने छात्राओं के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बच्चों द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किया गया यह छोटा सा प्रयास भविष्य में बड़े बदलाव का आधार बन सकता है। छात्राओं के इस प्रयास की विद्यालय स्टाफ और मौजूद लोगों ने सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

समाजसेवी डी.सी. गुप्ता कांटे वालों को मिला भारत सम्मान अवार्ड-2026

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- नई दिल्ली स्थित कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में बुद्धांजलि रिसर्च फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित पांचवें भारत सम्मान समारोह में खुर्जा के सुप्रसिद्ध समाजसेवी डी.सी. गुप्ता कांटे वाले को समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं दीर्घकालिक योगदान के लिए भारत सम्मान अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया। समारोह में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले सहित सांसदों, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों, पत्रकारों एवं समाजसेवियों की मौजूदगी रही। कार्यक्रम का आयोजन ट्रस्ट के चेयरमैन कैलाश मासूम के नेतृत्व में किया गया। सम्मान प्राप्त करने पर डी.सी. गुप्ता ने आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर के ऐसे सम्मान समाजसेवियों का मनोबल बढ़ाते हैं और उन्हें जनसेवा के लिए और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देते हैं।

खेलकूद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रतिभागी सम्मानित

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- सूरजभान सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में आयोजित चार दिवसीय 38वीं क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हो गया। प्रतियोगिता में ब्रज, मेरठ और उत्तराखंड प्रांत के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। कबड्डी में 28 टीमों, भारोत्तोलन में 85 और तीरंदाजी में 93 प्रतिभागियों ने दमखम दिखाया। कबड्डी के विभिन्न आयु वर्गों में विजेता खिलाड़ियों एवं टीमों को सम्मानित किया गया। तीरंदाजी और भारोत्तोलन में सूरजभान सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज शिकारपुर प्रथम रहा। समापन अवसर पर कॉलेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष विजेंद्र दत्त शर्मा, प्रबंधक अनिल कुमार मित्तल, कोषाध्यक्ष सुशील कुमार मित्तल एवं प्रधानाचार्य धर्मवीर सिंह ने उत्कृष्ट प्रतिभागियों को शील्ड व प्रमाण-पत्र प्रदान किए।

संतोष दिवाकर ने गोवंशों के लिए भूसा किया दान

खागा/फतेहपुर(सब का सपना):- जनपद के खागा के पूर्वी बाईपास निवासी एक व्यक्ति ने उकाथू गांव की गौशाला मे मवेशियों के खाने के लिए भूसा दान किया है। इनके इस कार्य की चारो ओर सराहना हो रही है। धाता ब्लाक के उकाथू ग्रामसभा मे गौशाला स्थित है। जहा आधा सैकड़ा गोवंश की देखरेख की जा रही है। वहीं खागा के पूर्वी बाईपास निवासी संतोष दिवाकर ने उकाथू गौशाला मे 34 कुंतल भूसा दान किया है।जिसे गौशाला के कर्मचारियों ने उतारकर सुरक्षित स्थान मे रखवा दिया है। साथ ही दानदाता संतोष दिवाकर का कहना है कि मेरे दिल मे भाव आया कि गोशाला मे भूसा दान करू। इस उद्देश्य से भूसा दान किया। कहा कि हर व्यक्ति को गोशाला के लिए कुछ न कुछ दान करना चाहिए। वैसे इनके इस कार्य की ग्रामवासियों ने सराहना की है। इस मौके पर गोशाला के चौकीदार नीलेश सहित गांव के लोग मौजूद रहे।

तहसील परिसर में लेखपाल से मारपीट, पिस्टल से जानलेवा हमला करने का आरोप

तीन नामजद समेत चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज, पुलिस ने शुरू की जांच

बिजनौर (सब का सपना):- तहसील बिजनौर परिसर के सामने एक लेखपाल के साथ मारपीट करने और पिस्टल से जानलेवा हमला करने के प्रयास का मामला सामने आया है। लेखपाल की शिकायत पर कोतवाली शहर पुलिस ने शानू राजपूत, जगत सिंह प्रधान, दर्पण राजपूत समेत एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। एफआईआर के मुताबिक, 20 अगस्त को लेखपाल शासकीय दायित्वों के निर्वहन के लिए तहसील बिजनौर के सामने मौजूद थे। आरोप है कि इसी दौरान नामजद आरोपी अपने एक अज्ञात साथी के साथ वहां पहुंचे और लेखपाल को घेरकर गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि शानू राजपूत ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से लेखपाल पर जानलेवा हमला कर उनकी हत्या का प्रयास किया। मौके पर मौजूद लोगों और राहगीरों ने बीच-बचाव कर लेखपाल को बचाया। आरोप है कि इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से चले गए। मामले में कोतवाली शहर पुलिस ने बीएनएस की धारा 109(1), 3(5), 115(2), 352 और 351(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। एफआईआर के अनुसार एसआई ममता को मामले की विवेचना सौंपी गई है। पुलिस आरोपों की जांच के साथ घटना से जुड़े साक्ष्यों को जुटा रही है।

डीएम-एसपी ने विद्यार्थियों से किया संवाद

अमरोहा (सब का सपना):- जे0एस0 हिंदू इंटर कॉलेज में जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने छात्र-छात्राओं से संवाद किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने करियर, प्रतियोगी परीक्षाओं, मोबाइल फोन के उपयोग, स्वास्थ्य, खेल, बिजनेस, आर्ट्स एवं अन्य क्षेत्रों में करियर की संभावनाओं से जुड़े सवाल पूछे। अधिकारियों ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का जवाब देते हुए उन्हें लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने और अपनी रुचि के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। छात्र राज बहादुर ने मोबाइल फोन से होने वाले डिस्ट्रैक्शन से बचने के संबंध में सवाल किया। इस पर जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने कहा कि इससे बचने के लिए स्वयं एक्टिव एफर्ट करना होगा। लक्ष्य निर्धारित कर टाइम टेबल बनाएं, मेडिटेशन एवं एक्सरसाइज करें तथा सोशल मीडिया का इस्तेमाल लिमिट में करें। उन्होंने कहा कि मोबाइल का उपयोग इस प्रकार किया जाए कि वह पढ़ाई और लक्ष्य में बाधा न बने। छात्रा सलोनी ने जिलाधिकारी से पूछा कि वह उनकी तरह कैसे बन सकती हैं। इस पर जिलाधिकारी ने यूपीएससी परीक्षा की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यूपीएससी परीक्षा में प्रीलिम्स, मेन्स और इंटरव्यू सहित विभिन्न चरण होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सिलेबस को समझकर तैयारी करने, नियमित रिवीजन, मॉक टेस्ट और समाचार पत्र पढ़ने पर ध्यान देने की सलाह दी। छात्रा गीतांजलि ने पूछा कि क्या यूपीएससी में आर्ट्स विषय लेने वाले विद्यार्थियों के अधिक अवसर होते हैं। इस पर पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने स्पष्ट किया कि ऐसा नहीं है। विद्यार्थी किसी भी स्ट्रीम से पढ़ाई कर सकते हैं और किसी भी विषय से ग्रेजुएशन कर सकते हैं। इसके बाद यूपीएससी परीक्षा के लिए निर्धारित सिलेबस के अनुसार तैयारी करनी होती है। छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के संबंध में जानकारी मांगी। पुलिस अधीक्षक श्री लखन सिंह यादव ने विद्यार्थियों को परीक्षा की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए नियमित अध्ययन और सिलेबस के अनुसार तैयारी करने पर जोर दिया। छात्रा मनु शर्मा ने बताया कि वह बिजनेस करना चाहती हैं और इसके लिए क्या करना चाहिए। इस पर जिलाधिकारी ने बताया कि ग्रेजुएशन करने के बाद एमबीए किया जा सकता है, जिसमें बिजनेस से जुड़ी बारीकियों की जानकारी मिलती है। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए मेहनत और निरंतर प्रयास जरूरी है। छात्रा सोनम सागर ने बताया कि उसे ड्राइंग पसंद है और इस क्षेत्र में क्या विकल्प हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि वह आर्टिस्ट के रूप में आगे बढ़ सकती हैं। इसके अलावा ग्राफिक डिजाइन सहित अन्य क्षेत्रों में भी करियर की संभावनाएं हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे जिस भी क्षेत्र में आगे जाना चाहते हैं, उसके बारे में पूरी जानकारी प्राप्त करें और आवश्यक कौशल विकसित करें। इसके लिए ऑनलाइन माध्यमों से भी सीखने और जानकारी प्राप्त करने के अवसर उपलब्ध हैं। जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि स्पोर्ट्स एक्टिविटी जरूर करें, क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क रहता है। उन्होंने पौष्टिक आहार लेने तथा डाइट को हेल्दी और बैलेंस रखने पर जोर दिया। उन्होंने पढ़ाई के साथ खेलकूद, एक्सरसाइज और अन्य सकारात्मक गतिविधियों को भी जीवन का हिस्सा बनाने की सलाह दी। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने महाभारत में गुरु द्रोणाचार्य और अर्जुन का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि जब द्रोणाचार्य ने अपने शिष्यों से पेड़ पर बैठी चिड़िया की आंख पर निशाना लगाने के लिए कहा तो सभी को पेड़, चिड़िया और आसपास की अन्य चीजें दिखाई दे रही थीं, जबकि अर्जुन ने कहा कि उसे केवल चिड़िया की आंख दिखाई दे रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यार्थियों को भी अपने लक्ष्य के प्रति अर्जुन की तरह फोकस करना होगा। उन्होंने कहा कि जब तक लक्ष्य हासिल न हो जाए, तब तक ध्यान भटकाने वाली चीजों से बचते हुए पूरी एकाग्रता के साथ मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को अच्छे कॉलेज में प्रवेश और अच्छी नौकरी सहित अपने निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करने की सीख दी। संवाद के दौरान विद्यार्थियों ने अधिकारियों से खुलकर अपने सवाल पूछे और करियर एवं जीवन से जुड़े विभिन्न विषयों पर

मार्गदर्शन प्राप्त किया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने विद्यार्थियों को अपनी रुचि, क्षमता और लक्ष्य के अनुसार आगे बढ़ने तथा पढ़ाई के साथ स्वास्थ्य एवं सकारात्मक गतिविधियों पर भी ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक शतानंद शर्मा, जिला सूचना अधिकारी मो0 दानिश, विद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

शिक्षारतन इंडिया फाउंडेशन ने छात्रवृत्ति को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। शिक्षारतन इंडिया फाउंडेशन, गुड़गांव की ओर से शिक्षा और छात्रवृत्ति के मुद्दे पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम दिल्ली के एच.के.एस. सभागार, इंद्रजीत गुप्ता मार्ग में हुआ, जिसमें करीब 20 राज्यों से आए प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. फग्गन सिंह कुलस्ते, चेयरमैन, पार्लियामेंट्री कमिटी ऑन वेलफेयर ऑफ रउ/रळ ने किया। प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए अच्छी शिक्षा जरूरी है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति उनकी आगे की पढ़ाई में महत्वपूर्ण मदद कर सकती है। डॉ. कुलस्ते ने शिक्षारतन इंडिया फाउंडेशन की ओर से 16,000 छात्रवृत्तियां देने की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई जारी रखने और अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने का अवसर देती है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार, उद्योग जगत, दानदाताओं और सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से छात्रवृत्ति उपलब्ध कराकर अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़ा जा सकता है। कार्यक्रम में फाउंडेशन के फाउंडिंग मेंबर श्री सतीश कुमार ने संस्था के काम और छात्रवृत्ति अभियान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन आर्थिक रूप से कमजोर और मेधावी विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर परीक्षा आयोजित कर रहा है। परीक्षा में टॉप रैंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को 16,000 छात्रवृत्तियां देने की दिशा में फाउंडेशन काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि छात्रवृत्ति के साथ फाउंडेशन विद्यार्थियों के स्किल डेवलपमेंट और मेंटरशिप पर भी काम कर रहा है। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा काम करने वाले स्कूलों, संस्थानों, प्रधानाचार्यों और शिक्षकों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने की पहल भी की जा रही है। फाउंडेशन ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए विद्यार्थियों के माता-पिता, शिक्षकों और शिक्षण संस्थानों की भागीदारी को जरूरी बताया। कार्यक्रम में श्री सोमजीभाई डामोर, पूर्व सांसद एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद और श्रीमती मायाताई ईवनाते, राज्य सभा सांसद ने भी प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित किया। इस दौरान श्री शंकर लाल बोड़ात, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, परिषद ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संस्था के तहत चार कॉलेज और 38 सेकेंडरी व हायर सेकेंडरी स्कूल संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संस्था अब तक 16 राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन आयोजित कर चुकी है। इन सम्मेलनों में आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों के साथ-साथ जल, जंगल, जमीन, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और रोजगार जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई है। श्री के.सी. घुमरिया, प्रदेश अध्यक्ष, राजस्थान शाखा और श्री लुक्कीभाऊ जाधव, राष्ट्रीय अध्यक्ष (युवा शाखा) ने भी प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित किया। दोनों ने शिक्षारतन इंडिया फाउंडेशन की छात्रवृत्ति मुहिम की सराहना की और इसे अधिक विद्यार्थियों तक पहुंचाने की जरूरत बताई। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने सुझाव दिया कि छात्रवृत्ति के लिए शहरी और ग्रामीण विद्यार्थियों के अलग-अलग समूह बनाए जाएं। उनका कहना था कि इससे दोनों क्षेत्रों के अधिक विद्यार्थियों को अभियान का लाभ मिल सकेगा।

मिशन कर्मयोगी के प्रभावी क्रियान्वयन पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 140 संस्थानों ने लिया हिस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से मिशन कर्मयोगी के प्रभावी क्रियान्वयन और संस्थानों की क्षमता निर्माण को लेकर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 20 और 21 अगस्त 2026 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्ल्यू) नई दिल्ली में किया जा रहा है।

इस सम्मेलन का आयोजन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रशिक्षण प्रभाग ने एनआईएचएफडब्ल्यू, क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) और कर्मयोगी भारत के सहयोग से किया है। सम्मेलन का उद्देश्य मंत्रालय के अधीन आने वाले संगठनों को मिशन कर्मयोगी के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सक्षम बनाना और उनके बीच बेहतर समन्वय एवं सहयोग को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम में क्षमता निर्माण आयोग की सदस्य डॉ. अलका मित्तल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। वहीं कर्मयोगी भारत के मुख्य परिचालन अधिकारी राकेश वर्मा ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सम्मेलन में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अधीन 140 संस्थानों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी की। विभिन्न संस्थानों ने मिशन कर्मयोगी के क्रियान्वयन से जुड़े अपने अनुभव, सुझाव और उपयोगी विचार साझा किए।

सम्मेलन के दौरान विभिन्न मंत्रालयी विभागों एवं संगठनों के बीच नेटवर्किंग और आपसी सहयोग को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। संस्थानों ने एक-दूसरे के साथ बेहतर तालमेल विकसित करने तथा विभागों के बीच बनी अलग-अलग कार्यप्रणाली की सीमाओं को खत्म कर सामूहिक रूप से काम करने की आवश्यकता पर विचार-विमर्श किया। अधिकारियों के अनुसार, इस तरह के सम्मेलन मिशन कर्मयोगी के उद्देश्यों को जमीन पर प्रभावी ढंग से लागू करने, संस्थानों की क्षमता बढ़ाने और साझा ज्ञान एवं अनुभव के माध्यम से बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इंस्टाग्राम पर हथियारों का प्रदर्शन पड़ा भारी, गोकलपुरी पुलिस ने दो युवकों को दबोचा

टीम गोकलपुरी की कार्रवाई में दो देसी कट्टे और पांच जिंदा कारतूस बरामद

एजेंसी

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन कर दबंगई दिखाना गोकलपुरी के दो युवकों को भारी पड़ गया। गोकलपुरी थाना पुलिस की टीमों ने रात में गश्त के दौरान संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर दो युवकों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों के कब्जे से दो देसी कट्टे और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी हथियारों के साथ अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर भी प्रदर्शित कर रहे थे। नॉर्थ ईस्ट जिले के डीसीपी राहुल अलवल ने बताया कि 19 और 20 अगस्त की दरम्यानी रात गोकलपुरी इलाके में गश्त के दौरान हेड कांस्टेबल सतेंद्र और कांस्टेबल रंजीत ने डीडीए पार्क, डी-ब्लॉक में एक युवक को संदिग्ध हालत में देखा। पुलिस को देखते ही युवक भागने लगा, लेकिन टीम ने पीछा कर उसे दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। आरोपी की पहचान विशाल उर्फ पुच्चू (20) निवासी संजय कॉलोनी, गोकलपुरी के रूप में हुई। इसी रात दूसरी कार्रवाई में हेड कांस्टेबल विपिन कुमार और हेड कांस्टेबल अरुण ने डीडीए पार्क, ए-ब्लॉक में एक अन्य संदिग्ध युवक को देखा। पुलिस टीम को देखते ही वह भी भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे कुछ ही दूरी पर पकड़ लिया। तलाशी में उसके कब्जे से एक देसी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए। आरोपी की पहचान सागर उर्फ बिरयानी (19) निवासी संजय कॉलोनी, गोकलपुरी के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों मामलों में एफआईआर संख्या 191/26 और 192/26, आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि सागर उर्फ बिरयानी ने इंस्टाग्राम पर हथियार का प्रदर्शन करते हुए दोनों की तस्वीर अपलोड की थी। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी एक साथ हथियार लहराते हुए सोशल मीडिया पर तस्वीरें प्रदर्शित कर रहे थे। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक विशाल उर्फ पुच्चू का पूर्व में कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है, जबकि सागर उर्फ बिरयानी पहले हत्या के प्रयास के एक मामले में संलिप्त रहा है। पुलिस अब हथियारों के स्रोत और सोशल मीडिया पर हथियारों के प्रदर्शन से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

नशे के काले कारोबार पर एनसीबी का शिकंजा, 15 करोड़ की ड्रग्स बरामद

वीजा खत्म फिर भी भारत में डेरा, नाइजीरियाई नागरिकों का ड्रग्स नेटवर्क बेनकाब

एजेंसी

नई दिल्ली। नशे के खिलाफ चल रही मुहिम में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क का पदार्फाश किया है। जांच में सामने आया कि नेटवर्क से जुड़े कई विदेशी नागरिक वीजा की अवधि खत्म होने के बाद भी वर्षों से भारत में अवैध रूप से रह रहे थे और मादक पदार्थों के कारोबार में सक्रिय थे। ऑपरेशन की शुरूआत 18 जुलाई को दिल्ली के खानपुर इलाके से हुई। यूपी एसटीएफ की सूचना पर एनसीबी और यूपी एसटीएफ की संयुक्त टीम ने राजू पार्क में छापा मारकर 5.087 किलो एम्फेटामाइन बरामद किया और नाइजीरियाई नागरिक ओबासे प्रोस्पर ओगबोरोनजोर को गिरफ्तार किया। जांच में पता चला कि उसका मेडिकल वीजा जून 2023 में ही समाप्त हो चुका था। वह करीब 68 लाख रुपये के साइबर धोखाधड़ी मामले में भी यूपी एसटीएफ को वांछित था। इसके बाद 21 जुलाई को गुरुग्राम के हंस एन्क्लेव में छापेमारी की गई। यहां से 9.7 किलो एम्फेटामाइन और 67.84 किलो स्यूडोएफेड्रिन बरामद हुआ। नाइजीरियाई नागरिक अबुची जॉर्ज ओकोरी को गिरफ्तार किया गया। जांच के मुताबिक उसका मेडिकल अटेंडेंट वीजा जून 2015 में ही समाप्त हो चुका था और इसके बाद वह अवैध रूप से भारत में रह रहा था। जांच में मिले पीछे के कड़ियों के आधार पर एनसीबी की टीम 3 अगस्त को दिल्ली के मेहरौली पहुंची। यहां एक ठिकाने पर छापेमारी के दौरान 318 ग्राम कोकीन और 6 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। मौके से नाइजीरियाई नागरिक उचेन्ना स्टीफन न्वांको और चिकीजी जोशुआ इग्वे को गिरफ्तार किया गया। दोनों के बारे में सामने आया कि वे 13 वर्षों से अधिक समय से भारत में अवैध रूप से रह रहे थे। कार्रवाई के दौरान एक अफ्रीकी महिला ने भागने की कोशिश की और बालकनी से छलांग लगा दी, जिससे वह घायल हो गई। फिलहाल उसका इलाज चल रहा है और उसकी पहचान की प्रक्रिया जारी है। 15 करोड़ की ड्रग्स, नेटवर्क की तलाश जारी एनसीबी के मुताबिक अब तक की कार्रवाई में कुल 14.787 किलो एम्फेटामाइन, 67.840 किलो स्यूडोएफेड्रिन, 318 ग्राम कोकीन और 6 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। जब्त मादक पदार्थों की अनुमानित कीमत करीब 15 करोड़ रुपये बताई गई है।

NCB अब इस अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की आगे और पीछे की कड़ियां, स्थानीय सहयोगियों, सप्लायरों और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है। सितंबर में चलेगा देशव्यापी अभियान त्रिनेत्र अवैध रूप से भारत में रह रहे विदेशी नागरिकों और उनके आपराधिक नेटवर्क पर शिकंजा कसने के लिए एनसीबी ने सितंबर 2026 के पहले सप्ताह से ह्यत्रिनेत्रह्न नाम का देशव्यापी पखवाड़े भर का अभियान चलाने की तैयारी की है। इसमें राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेशों की पुलिस और आव्रजन अधिकारियों के साथ मिलकर ऐसे विदेशी नागरिकों की पहचान और सत्यापन किया जाएगा, जिनका वीजा समाप्त हो चुका है और जिनके मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े होने का संदेह है।

एनसीबी ने होटल, गेस्ट हाउस, मकान मालिकों और अन्य आवास उपलब्ध कराने वालों से विदेशी नागरिकों के ठहरने संबंधी निर्धारित जानकारी समय पर संबंधित अधिकारियों को देने की अपील की है। एजेंसी का कहना है कि यह कार्रवाई केवल आव्रजन नियमों के पालन तक सीमित नहीं, बल्कि संगठित और अंतरराष्ट्रीय अपराधों पर रोक लगाने के लिए भी अहम है।

कहीं यह संकेत ब्रेन ट्यूमर के तो नहीं...

कई बार धन और समय की बर्बादी के बावजूद ज्यादातर ब्रेन कैंसर रोगियों का इलाज नहीं हो पाता है। अब 'साइट्रोन थैरेपी' से कैंसर रोगी का आसानी से और कम समय में सुरक्षित उपचार संभव है। इस थैरेपी से इलाज कराने वाले मरीज बेहतर जिंदगी जी रहे हैं। अमरीका के सेटिएगो शहर में रहने वाला जैकब पास्टल जिनकी उम्र 18 साल की है जिसे, फिल्में देखना, गाना सुनना और दौस्तों के साथ समय बिताना और सबसे ज्यादा गिटार बजाना पसंद है, मगर अब वह गिटार नहीं बजा सकता है क्योंकि उसकी बाएं हाथ की उंगलियों ने उसके दिमाग का आदेश मानना बंद कर दिया है क्योंकि उसे ब्रेन कैंसर है। जैक के पिता डेनियल के अनुसार पहले मैं काफी डरा और घबराया हुआ था कि आखिर मेरे बेटे को ही ब्रेन टयूमर क्यों हुआ। डेनियल बताते हैं कि अमेरिका के डाक्टर्स ने जैकब के ब्रेन टयूमर को लाइलाज बताया था और कहा था कि अब मौत का इंतजार करने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। हर पंद्रह दिन बाद जब जैक को कीमोथैरेपी दी जाती तो उसे देख कर मेरी पूरी फैमिली खुद को बहुत मजबूर पाती थी। हम उसका दु:ख नहीं देख पा रहे थे पर कोई रास्ता भी नहीं था। देश के जाने-माने चिकित्सक डा. एस. एस. सिबिया कहते हैं कि ब्रेन टयूमर के सफल उपचार के लिए उसकी यथा शीघ्र पहचाव आवश्यक होता है इसलिए मरीज को ब्रेन टयूमर होने का तनिक भी शक होने पर चिकित्सक के पास जाने में विलंब नहीं करना चाहिए।

लक्षण: आमतौर पर लोग लगातार या अक्सर होने वाले सिर दर्द को गंभीरता से नहीं लेते हैं, लेकिन यह दिमाग के किसी हिस्से में पनप रहे टयूमर का संकेत भी हो सकता है, हालांकि टयूमर शरीर के किसी भी अंग में हो सकता है लेकिन मस्तिष्क में होने वाले टयूमर ज्यादा खतरनाक होते हैं। अगर सिर में अक्सर दर्द हो, सिर दर्द के साथ उल्टी हो, किसी अंग में कमजोरी महसूस हो, आंखों की रौशनी घट रही हो तथा दिमागी दौरे पड़ते हों तो ये लक्षण ब्रेन टयूमर के हो सकते हैं और ऐसी स्थिति में जांच एवं इलाज में विलंब करना मौत को बुलावा देना साबित हो सकता है। ब्रेन टयूमर किसी भी व्यक्ति को किसी भी उम्र में हो सकता है। जन्म के तुरंत बाद किसी बच्चे से लेकर मौत की कगार पर पहुंचे 80 साल के किसी बूढ़े व्यक्ति को भी ब्रेन टयूमर हो सकता है। डा. सीबिया बताते हैं कि अगर 25 से 30 साल से अधिक उम्र के स्वस्थ व्यक्ति को जिंदगी में पहली बार दौरा पड़ा हो तो यह ब्रेन टयूमर का संकेत हो सकता है। इसके अलावा किसी भी अंग का सुन्न हो जाने, चीटियां चलने जैसा महसूस होने या क्षणिक समय के लिये ताकत कम हो जाने जैसे लक्षण भी मस्तिष्क या स्पाइन के टयूमर के संकेत हो सकते हैं।

हेल्थ प्लस

कुछ छोटी पर काम की बातें

- भूख लगने पर ही भोजन करें।
- स्वस्थ रहने हेतु अपने खान-पान पर नियंत्रण रखना अतिआवश्यक है।
- स्वाद में कभी लोभी न बनें। अधिक भोजन अपच और अजीर्ण को जन्म देता है।
- भोजन खाने से पूर्व थोड़े अदरक पर थोड़े सेंधा नमक बुरक कर खाने से भोजन आसानी से हजम होता है। इसका सेवन 3 सप्ताह से अधिक न करें।
- घी, मक्खन, तेज मसाले, मलाईयुक्त दूध का सेवन हृदय रोगियों के लिए अति हानिकारक होता है।
- रात्रि का भोजन रात्रि 8 बजे तक अवश्य कर लेना चाहिए।
- सुबह जल्दी उठना, शौच समय पर जाना, स्नान करना, समय पर भोजन करना और समय पर सोना अच्छे स्वास्थ्य के मूल मंत्र हैं।
- बिना विचार किए न तो बोलें, न ही कोई काम करें। ऐसा करने से आप श्रेष्ठ नहीं रहेंगे।
- ताजे जल से चेहरा, आंखें और स्नान करना लाभप्रद होता है।
- हाथ धोए बिना भोजन न करें। जल पीते समय जल देखकर पीएं।
- खाते समय और सोते समय मन को एकाग्र रखें। रोग को साधारण समझ कर न टालें।
- नहाते समय पहले पैरों पर, फिर ऊपर से शरीर पर पानी डालें।

योग क्रियाओं द्वारा बढ़ाएं नेत्र ज्योति

हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है नेत्र। चेहरे के सौंदर्य में भी आंखों का बहुत बड़ा योगदान है। व्यक्ति के व्यक्तित्व का आकलन भी नेत्र से ही किया जाता है।

नेत्र ज्योति कम होने के कारण

विटामिन ए की कमी, तेज रौशनी, तेज धूप, धूल कण से भरा वातावरण, ज्यादा पढ़ना-लिखना, तनाव में जीना, नींद की कमी, बालों में खिंचाव का उपयोग करना, अंग्रेजी दवा का ज्यादा सेवन इत्यादि।

नेत्र चालन

दोनों आंखों को ऊपर उठाकर भौहों के मध्य को फिर नीचे लाकर नासाग्र को देखें। बाएं कान की तरफ देखें तत्पश्चात दाएं कान की तरफ देखें तत्पश्चात दाएं कान की ओर फिर चारों ओर दक्षिणावर्त और वामावर्त घुमाएं। ये सभी क्रियाएं दस-दस बार करें। इसके बाद हाथों को 21 बार रगड़कर दो मिनट तक आंखों पर रखें।

जल नेति एवं सूत्र नेति

नियमित रूप से जल व सूत्र नेति करें। इसके बाद खड़े होकर झुककर कपालभाति करें। फिर बैठकर अलग-अलग नथुने से 25-25 बार फिर दोनों नथुनों से एक साथ 200 बार कपालभाति करें नेत्र की ज्योति बढ़ जायेगी। एक से तीन मास के भीतर चश्मा उतर जाएगा।

प्राण मुद्रा

कनिष्ठि व अनामिका के साथ अंगूठे को लगाएं? यह प्राण मुद्रा है। इसका नित्य 15 मिनट अभ्यास करें। इसके अलावा अन्य नुस्खे भी बड़े प्रभावशाली हैं-

नेत्र प्रक्षालन

मुंह में पानी भरकर 20 बार दोनों आंखों पर पानी के छींटे मारकर धोएं। यह क्रिया सुबह, दोपहर और शाम तीन बार करें। आंखों की ज्योति बढ़ जाएगी।

- पैर के दोनों अंगूठों पर सरसों का तेल डालें।
- ऊँ घृणि: सूर्याय नम: मंत्र के साथ तांबे के लोटे से नित्य सूर्य को अर्घ्य दें, सूर्य की रौशनी की तरह आंखों की रौशनी तेज हो जायगी।
- आज्ञा चक्र पर नीले रंग का ध्यान करते हुए ऊँ का उच्चारण नित्य दस मिनट करें।
- हमारी आंखों की रौशनी बहुत तेज है, ऐसी भावना हर समय करते रहें ज्योति बढ़ जाएगी।

बेबी मसाज क्यों जरूरी है

यूंतो बच्चे के विकास में कई बातें मायने रखती हैं, जैसे-सही लालन-पालन, खान-पान, वातावरण आदि, लेकिन इन सबमें मालिश की अपनी अहम् भूमिका है। इसके शारीरिक और मानसिक रूप से कई फायदे हैं। आइए, इसके बारे में संक्षेप में जानते हैं।

- मसाज से बच्चे के शरीरिक-मानसिक विकास में मदद मिलती है।
- मां और बच्चे के बीच घनिष्ठता और विश्वास निर्मित होता है।
- मालिश से शिशुकाल के बाद भी मां-बच्चे के बीच लंबे समय तक बातचीत करने के लिए नींव बनती है।
- एकाग्रता, प्रेरणा और शारीरिक सम्पर्क का विकास होता है।
- मां बच्चे के बीच का बंधन मजबूत होता है।
- पेशियों के तनाव को दूर करता है।
- मालिश आपमें यह आत्मविश्वास पैदा करता है कि आप अपने बच्चे को संभालने में समर्थ हैं।
- बच्चे को अधिक देर तक सुकून की नींद मिलती हैं।
- बच्चे की स्नायु तंत्रिका की स्थिरता को बढ़ाने के साथ-साथ बीमारियों की संभावताओं को भी रोकता है।
- आपके और बच्चे के लिए मनोरंजन के कई क्षण जुटाता है।
- कामकाजी अभिभावकों को उनके बच्चे के विकास में पूरी तरह से शामिल करता है।
- जब बच्चा जगा रहता है तो अधिक सजग और मिलनसार रहता है।
- जन्म के बाद के तनाव को कम करने में मदद मिलती है।

- एक समय के बाद जन्म से जुड़ी कई शारीरिक और मानसिक चोट या घाव आदि को दूर करने में मदद मिल सकती है।
- बच्चे के मूड, जरूरत, इच्छा को समझने में मदद मिलती है।

बढ़ सकती है घुटनो की उम्र

घुटनों के बदलने की शल्य चिकित्सा पर अब तक चिकित्सा-साहित्य में बहुत कुछ लिखा जा चुका है लेकिन इन सबके बावजूद अभी भी लोग इस पद्धति से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं से पूरी तरह वाकिफ नहीं हैं और बहुत ही कम लोग ऐसे हैं जो पार्शियल नी रिप्लेसमेंट (आंशिक) और यूनिकपार्टमेंटल भी रिप्लेसमेंट के बारे में पूरी तरह से जानते हैं। मुंबई स्थित पी डी हिंदुजा अस्पताल के आर्थोपेडिक सर्जन डा. संजय अग्रवाल के अनुसार यह पद्धति इस लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि इसमें जोड़ों के आंशिक बदलाव के माध्यम से पूरे घुटने के क्षतिग्रस्त होने की संभावना को धीरे-धीरे कम किया जा रहा है। पार्शियल नी रिप्लेसमेंट (आंशिक) और यूनिकपार्टमेंटल नी रिप्लेसमेंट न केवल दर्द भरे घुटनों के दर्द से राहत पहुंचाता है बल्कि जोड़ों को भी एक नया जीवन प्रदान करता है जिससे मरीज के जीवन की गुणवत्ता बढ़ जाती है।

दरअसल होता यूं है कि लगभग 95 प्रतिशत रोगियों के मामले में घुटने का अंदरूनी भाग बाहरी भाग की तुलना में अधिक तेजी से क्षतिग्रस्त होता है। परिणामस्वरूप घुटनों के जोड़ों पर पड़ने वाला दबाव असंतुलित हो जाता है लेकिन यदि इस क्षति को समय रहते ही रोक लिया जाए और घुटने के अंदरूनी भाग को बदल दिया जाए तो बाहरी भाग पर पड़ने वाला दबाव कम हो जाएगा जिससे घुटनों के क्षतिग्रस्त होने की प्रक्रिया धीमी हो जाएगी। इस कारण घुटने जल्दी खराब नहीं होंगे और उनका कार्यकाल बढ़ जाएगा।

डा. संजय अग्रवाल के अनुसार दर्द को कम करने और चलने फिरने की क्षमता को बढ़ाने के अलावा यह सर्जरी घुटनों के जोड़ों पर पड़ने वाले दबाव का संतुलन बनाए रखती है। साथ ही इस शल्य चिकित्सा में केवल 2.5 से 3 इंच का ही चीरा लगता है जबकि टोटल नी रिप्लेसमेंट सर्जरी में 7 से 8 इंच का चीरा लगाया जाता है। फलस्वरूप रोगी के शरीर से रक्त के व्यर्थ बहाव को नियंत्रित किया जा सकता है। रोगी को अस्पताल से 4 या 5 दिनों के भीतर ही छुट्टी मिल जाती है और थोड़े ही दिनों में रोगी अपनी सामान्य दिनचर्या के मुताबिक काम करने लगता है। डा. अग्रवाल बताते हैं कि इस पद्धति में टोटल रिप्लेसमेंट सर्जरी की तुलना में आधा ही खर्चा आता है। नी रिप्लेसमेंट चिकित्सा अक्सर 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए की जाती है जो कि आर्थराइटिस की समस्या से ग्रस्त होते हैं।

पार्शियल रिप्लेसमेंट सर्जरी कराने के बाद चार सप्ताह के भीतर ही मरीज अपनी सामान्य दिनचर्या से जुड़ी गतिविधियों को पूरा करने में समर्थ हो जाता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन का की कू घ ड छ के को हा

चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन दी दू थ झ ञ द दो चा ची

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

काकुरो पहेली - 3984

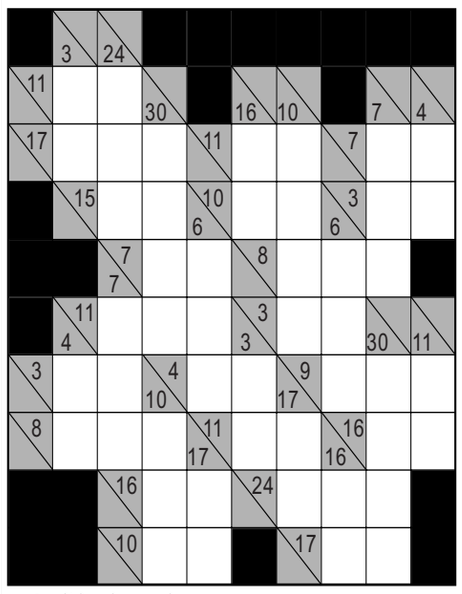

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

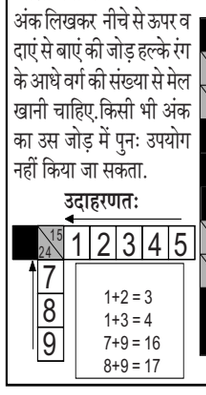

काकुरो - 3983 का हल

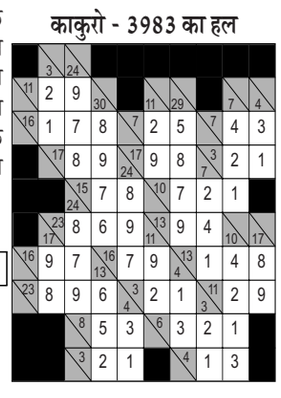

हंसी के फव्वारें

जज ने अभियुक्त से कहा-'तुम पर मोटर तेज चलाने का इल्जाम है. क्या तुम अपना इल्जाम स्वीकार करते हो?'

'जी हां, मीलार्ड, मगर ?'

'मैंने कोई अपराध नहीं किया.' अभियुक्त सफाई देते हुए बोला-'मेरी मोटर के ब्रेक खराब थे,इसलिये मैंने सोचा कि जल्दी से घर पहुँच जाऊं. कहीं ऐसा न हो कि कोई एक्सीडेंट हो जाए!'

□ □ □

एक सेठ बीमार पड़ गया.

डाक्टरों ने उसे राय दी कि वह विदेश जाकर दवा कराये तो उसने अपने मुंशी से पूछा-'मुंशी जी! विदेश जाकर दवा कराने में कितना खर्च होगा ?'

'लगभग बीस हजार!'

'और क्रिया-कर्म में ?'

'लगभग पांच हजार!'

'तो फिर इलाज से मरना ही ज्यादा फायदेमंद रहेगा.' सेठ ने ठण्डी सांस लेते हुए कहा.

□ □ □

रमेश ने महेश से पूछा-'जब सेब पेड़ से नीचे गिरा तो न्यूटन को बहुत आश्चर्य हुआ.'

महेश-'पागल था वह ?'

रमेश-'वह कैसे ?'

महेश-'आश्चर्य की बात तो तब होती जब सेब नीचे से ऊपर जाता.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3984

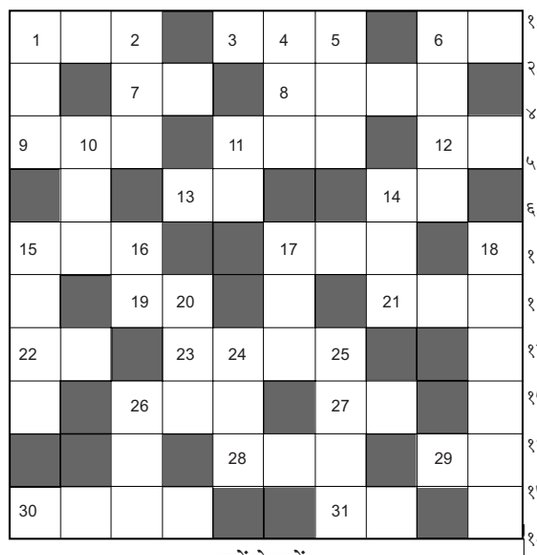

बायें से दायें:-

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अष्मित, मीरा की फिल्म-३
२९. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नही' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक?-२

ऊपर से नीचे:-

१.'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधूरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगू' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अष्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

फिल्म वर्ग पहेली- 3983

य	हू	दी		अ	नु	रे	ध		क्रो
ह		बा	स्त	व		हि		आँ	धी
दे	व	र		ता	क	त		च	
श	र्त		पा	र	स		स	ल	मा
	मा		पी		क	स	म		ला
जा	न	म		अ		गा	य	ब	
ने		श	र	दा		ई		ना	च
म	ह	ल		ल	की		जो	र	
न			अं	त		जं		स	त्या
	बा	रि	श		जु	ग	नू		ग

सूडोकु -3984

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1			
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3983 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

शब्द पहेली - 3984

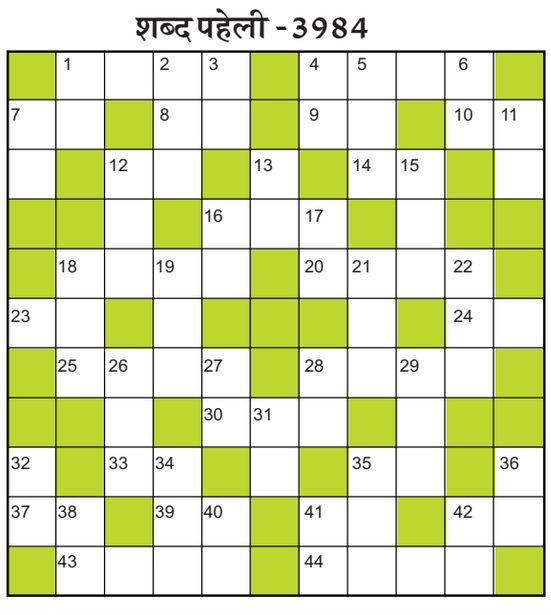

बाएँ से दाएँ

1.सुरक्षित-4
4.माहुर,आलता-4
7.कार्य,काज-2
8.रांझे की प्रेमिका-2
9.स्याही,कालिख-2
10.भूमि,धरा-2
12.ठाठ-बाट-2
14.अधर,होठ-2
16.विशाल,श्रेष्ठ-3
18.आदेश,आज्ञा-4
20.कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23.काका की पत्नी-2
24.कामदेव की पत्नी-2
25.जनवासा,हरम-4
28.हमसफर-4
30.कपड़े धोने वाला-3
33.आनंद,मौज-2
35.संदेह-2
37.सरूर,खुमार-2
39.मृत्यु का देवता-2
41.पुण्य का विलोम-2
42.परछाई,छाया-2
43.शिव,रुद्र,शंकर-4
44.सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे

1.समान,एक जैसा-2
2.बारीक-3
3.भीगा हुआ-2
4.मेरा (संस्कृत-2)
5.पाना,प्राप्त-3
6.घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11.उद्देश्य-2
12.गजल लिखनेवाला-3
13.उस जगह-2
15.बारिश,वर्षा-3
16.जी,चित-2
17.मर्द,आदमी-2
18.दरवेश-3
19.मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21.साजन,प्रेमी-3
22.मुलायम-3
26.कायदा,कानून-3
27.महोदय (अंग्रेजी)-2
28.अधिकार-2
29.खटखटाना-3
31.जगत,दुनिया-2
32.प्राण,जीव-2
34.स्वाद-3
35.प्रतिज्ञा-3
36.शरीर,तन-2
38.संध्या,सांझ-2
40.अपशिष्ट पदार्थ-2
41.मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42.संग,संगत-2

शब्द पहेली -3983 का हल

	अ	नु	भ	व		शा	का	हा	र	
अ		क्ता		ल		मि		नि		अ
ह	म		का	या	प	ल	ट		का	का
म		रा		का		हो		श		र
क	हा	नी	का	र		ना	म	क	र	ण
	द							सो		
अ	सा	म	चि	क		आ	ज	मा	ई	श
चा		स्त		म		रा		न		रा
न	ल		नी	ल	क	म	ल		खो	फ
क		भ		ना		दे		क		त
	को	ला	ह	ल		ह	र	जा	ई	

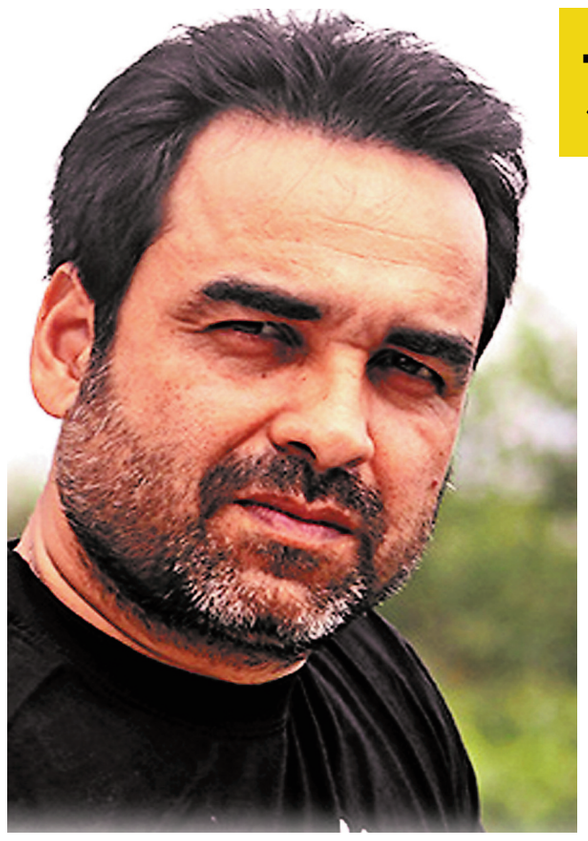

जानता हूं अवसर मिलने का क्या मतलब होता है

अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने खास बातचीत में बताया है कि उनके हिसाब से आजादी का क्या मतलब है। उन्होंने यह भी बताया है कि आज का भारत कैसा होना चाहिए।

आखिर आजादी की असली परीक्षा कब होती है? जब कोई हमें रोक रहा हो या तब, जब कोई रोकने वाला ही न हो? पर अभिनेता पंकज त्रिपाठी के पास इसका अपना जवाब है। बिहार के एक छोटे से गांव से निकलकर देश के अलग-अलग हिस्सों में काम करने और लोगों से मिलने वाले पंकज ने भारत को कई रंगों में देखा है। मगर उनके लिए इन सारे रंगों के पीछे एक चीज हमेशा एक जैसी रही- अपनापन।

एक चीज जो हम सबको जोड़ती है

पंकज कहते हैं, 'मेरे हिसाब से पिछले 80 वर्षों में हमने सबसे अच्छी चीज अपनी विविधता और साथ रहने की भावना को बचाया है। भारत में इतनी भाषाएं हैं, इतनी संस्कृतियां हैं, इतने अलग-अलग तरह के लोग हैं, फिर भी एक भारतीय होने की भावना हम सबको जोड़ती है। मैं बिहार के एक छोटे से गांव से आता हूं, वहां से निकलकर देश के अलग-अलग हिस्सों में काम करने और लोगों से मिलने का मौका मिला। हर जगह मुझे भारत का एक अलग रंग दिखाई दिया, लेकिन उस रंग के पीछे एक अपनापन हमेशा एक जैसा लगा।'

कहीं हम समझना और सुनना कम न कर दें

पंकज आगे कहते हैं, 'आज हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। तकनीक हमारे जीवन का बड़ा हिस्सा बन गई है। मगर इसी भागदौड़ में कहीं ऐसा न हो कि हम एक-दूसरे को समझना और सुनना कम कर दें। अब मुझे लगता है कि हमें अपनी संवेदनशीलता और इंसानियत को बचाना बहुत जरूरी है। विकास बहुत जरूरी है, लेकिन विकास के साथ अगर संवेदना बची रहे, तो वही असली तरक्की है। मुझे लगता है कि आने वाली पीढ़ी के लिए हमें सिर्फ बेहतर सड़कें और बेहतर इमारतें नहीं, बल्कि एक बेहतर समाज भी छोड़कर जाना है।'

'मुझे आज के भारत की ऊर्जा और आत्मविश्वास पर बहुत गर्व होता है। खासकर हमारे युवाओं को देखकर। आज का युवा छोटे शहर या गांव से निकलकर दुनिया में अपनी पहचान बना रहा है। वह बड़े सपने देखने से डरता नहीं। मुझे यह बदलाव बहुत अच्छा लगता है, क्योंकि मैं खुद एक छोटे से गांव से आया हूं और जानता हूं कि अवसर मिलने का क्या मतलब होता है।'

बच्चे के सपनों की सीमा तय ना करें

बातों ही बातों में पंकज ने कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि हमें अभी समान अवसर और शिक्षा के मामले में बहुत आगे जाना है। मेरे लिए तरक्की का मतलब तभी पूरा होगा जब एक छोटे से गांव में रहने वाले बच्चे को भी यह महसूस हो कि उसके सपनों की कोई सीमा नहीं है। अगर प्रतिभा सिर्फ इसलिए पीछे रह जाए क्योंकि उसके पास संसाधन नहीं हैं, तो यह हमारे लिए सोचने की बात है। मैं चाहता हूं कि आने वाले वर्षों में हमारा भारत ऐसा हो, जहां किसी बच्चे का भविष्य इस बात से तय न हो कि वह किस घर में, किस शहर में या किस गांव में पैदा हुआ है।

आजादी का मतलब

'मेरे लिए आजादी का असली टेस्ट तब होता है जब आपको पूरी आजादी दी गई हो। जब कोई रोक रहा होता है, तब तो हमें पता होता है कि हमारे सामने एक दीवार है और हमें उससे लड़ना है। लेकिन जब कोई दीवार नहीं होती, कोई आपको नहीं रोक रहा होता, तब आप क्या चुनते हैं, वहीं आपकी असली आजादी और आपकी असली जिम्मेदारी सामने आती है।' मेरे लिए आजादी यह भी है कि मैं जो सही समझता हूं, उसकी जिम्मेदारी लेने की हिम्मत रखूं। मुझे अपने जीवन में भी यह महसूस हुआ है कि आजादी के साथ अनुशासन और जिम्मेदारी बहुत जरूरी हैं। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने जिस आजादी के लिए संघर्ष किया, वह सिर्फ अपने लिए जीने की आजादी नहीं थी। आज जब हमें इतनी आजादी मिली हुई है, तो हमें खुद से यह सवाल पूछना चाहिए कि हम इस आजादी का इस्तेमाल सिर्फ अपने लिए कर रहे हैं या अपने आसपास की दुनिया को थोड़ा बेहतर बनाने के लिए भी।

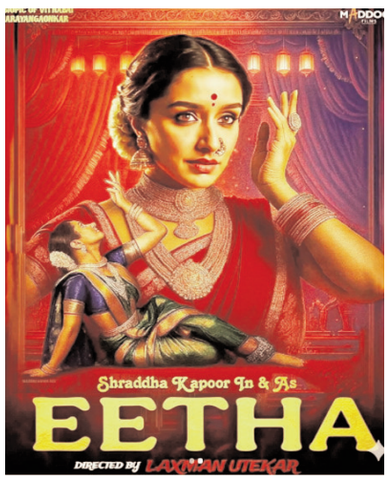

श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईठा' की रिलीज आगे बढ़ी

बॉलीवुड की दो मच अवेटेड फिल्मों की रिलीज डेट मेकर्स ने अनाउंस की। जहां एक और आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की फिल्म 'उड़ता तीर' के मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट तय की। वहीं दूसरी तरफ श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईठा' के मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा ली। अब ये दोनों फिल्में कब रिलीज होगीं

श्रद्धा कपूर की बहुप्रतिक्षित फिल्म 'ईठा' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म लावणी साम्रज्ञी विठाबाई नारायणगावकर के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने पांच दशक तक लावणी लोककला को अपना जीवन समर्पित किया।

'टॉक्सिक' से टाला क्लैश

पहले यह फिल्म इसी महीने 28 अगस्त को रिलीज होने वाली थी, जहां इसकी टक्कर 26 अगस्त को रिलीज होने जा रही मल्टीस्टारर फिल्म 'टॉक्सिक' से होती। अब मेकर्स ने इसे 4 दिसंबर 2026 को रिलीज करने का फैसला किया है। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ने किया है। फिल्म में श्रद्धा के अलावा रणदीप हुड्डा और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

भले ही फिल्म 'ईठा' ने 'टॉक्सिक' से टकराव बचा लिया है पर 4 दिसंबर को इसका टकराव प्रभास की फिल्म 'फौजी' से होगा। फिलहाल 'फौजी' की रिलीज डेट 3 दिसंबर 2026 है।

कब रिलीज होगी 'उड़ता तीर'

फिल्म 'उड़ता तीर' से आयुष्मान खुराना और सारा अली खान एक बार फिर पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं। यह एक स्पाई-कॉमेडी फिल्म है जो 9 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन आकाश ए. कौशिक ने किया है। वहीं फिल्म में निर्माताओं की लंबी लिस्ट है। फिल्म का निर्माण करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, गुनीत मोंगा कपूर और अचिन जैन मिलकर कर रहे हैं।

अमृता खानविलकर ने निजी जिंदगी को लेकर अफवाहें फैलाने को चेतावनी दी

अभिनेत्री अमृता खानविलकर और हिमांशु मल्होत्रा काफी वक्त से अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। बी-टाउन में काफी वक्त से ऐसी अटकलें लग रही हैं कि इनके रिश्ते में दरार आ गई है और तलाक हो रहा है। इन्हें अमृता ने निराधार बताया है। साथ निजी जिंदगी को लेकर ऐसी अफवाहें प्रसारित करने वालों को भी चेताया है।

अभिनेत्री अमृता के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें उनकी लीगल टीम की तरफ से इस तरह की खबरों को एकदम निराधार बताया गया है। साथ ही अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी एक्शन लेने की चेतावनी भी दी है। अमृता की कानूनी टीम ने नोट साझा करते हुए लिखा है, 'आधिकारिक कानूनी बयान - 10 अगस्त 2026 से लागू। हमारे ध्यान में आया है कि कुछ ऑनलाइन, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म अमृता खानविलकर और उनके निजी जीवन के बारे में ऐसा कंटेंट फैला रहे हैं, जो बेबुनियाद है। यह प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाला है और उनकी प्राइवेसी का उल्लंघन करता है। आगे लिखा है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाता है, लेकिन अमृता खानविलकर के बारे में मानहानि वाले बयान, अफवाहें, बिना पुष्टि वाले आरोप या गुमराह करने वाली जानकारी फैलाने या शेयर करने के लिए इस स्वतंत्रता का कोई भी गलत इस्तेमाल गंभीरता से लिया जाएगा। जहां भी उपलब्ध सबूतों से पुष्टि होती है, वहां ऐसे कंटेंट को बनाने, फैलाने या शेयर करने के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों, संस्थाओं या संगठनों के खिलाफ लागू कानून के अनुसार उचित कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। ऐसे सभी मामलों पर नजर रखी जा रही है और उचित कानूनी कार्रवाई के लिए उनका रिकॉर्ड रखा जा रहा है। मराठी फिल्म जगत की चर्चित अभिनेत्री अमृता खानविलकर की शादी हिमांशु मल्होत्रा के साथ साल 2015 में हुई थी। दोनों की मुलाकात साल 2004 में हुई थी। लंबे वक्त तक दोनों रिलेशनशिल में रहे। फिर साल 2015 में शादी का फैसला लिया।

'लॉक अप 2' में मुझसे फायदा छीनकर किसी और को दे दिया गया

'लॉक अप 2' की विनर बनीं श्रेया कालरा की जीत पर दर्शक लगातार सवाल उठा रहे हैं। इस जीत को लेकर श्रेया को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। अब श्रेया ने सोशल मीडिया के जरिए अपने आलोचकों को कड़ा जवाब दिया है। श्रेया कालरा की जीत को कुछ दर्शक स्क्रिप्टेड और पक्षपातपूर्ण बता रहे हैं। हाल ही में इंस्टाग्राम के जरिए 'लॉक अप 2' की विजेता ने फैंस के सवालों का जवाब दिया। श्रेया ने जब प्रतियोगियों को वापस लाया गया तो लोगों ने शो को पक्षपाती क्यों नहीं कहा? जब उन्हें सीक्रिट रूम के रखा गया तब यह सवाल क्यों नहीं उठाया गया? शो में मुझसे फायदा छीनकर किसी और को दे दिया गया। इस तरह के सवाल शो में बाकि प्रतियोगियों के लिए क्यों नहीं उठाये गए?

लॉकअप सीजन 2 के विजेता का खिताब जीतने के बाद श्रेया कालरा को पुरस्कार में एक चमचमाती ट्रॉफी मिली थी। इसके अलावा एक करोड़ रुपये की राशि भी उन्हें मिली। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रेया कालरा मामूली अंतर से जीती थीं। उन्होंने शिवांगी जोशी को सात वोटों से हराया था। बता दें कि पांच फाइनलिस्ट चुने गए थे। फाइनल में राम कपूर, शिवांगी जोशी, श्रेया कालरा, योगेश रावत और आकांक्षा चमोला ने जगह बनाई थी।

फराह खान पर भी लगे पक्षपात के आरोप

इससे पहले निर्देशक फराह खान ने अपने व्लॉग में भी 'लॉक अप 2' में खुद पर लगे आरोपों पर बात की थी। उन्होंने कहा, ' शो होस्ट करने के दो हफ्ते बाद मुझे पता चला कि लोग कमेंट कर रहे हैं कि मैं पक्षपाती होस्ट हूं, क्यों? क्योंकि श्रेया और मेरी यूट्यूब कंपनी एक ही टीम के द्वारा चलाई जाती हैं। उस कंपनी के पास 70 कंटेंट क्रिएटर हैं, तो क्या? पता नहीं मैं पक्षपाती कैसे हो सकती हूं?'

सामंथा होस्ट करेंगी 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल'

शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' में तमिल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के कुछ जाने-माने चेहरे शूटिंग से हटकर किचन में नजर आएंगे। वह मुश्किल कुकिंग चैलेंजेस का सामना करेंगे। इस शो का एक प्रोमो भी जारी किया गया, जिसमें सामंथा कहती हैं, 'हमारे शहर में, हम जो भी करते हैं, स्टाइल के साथ करते हैं, एकदम जबरदस्त अंदाज में, है ना? भले ही वह सिर्फ खाना बनाना ही क्यों न हो। फिल्मों में एक्शन 'कट' के साथ शुरू और खत्म होता है। लेकिन यहां असली एक्शन 'कट' के बाद ही शुरू होता है। चाहे शूट हो या किचन, जीतने के लिए हमेशा जुनून की जरूरत होती है।'

शो को लेकर उत्साहित हैं सामंथा?

'मिर्जापुर द मूवी' पर बोले फरहान अख्तर

एक्टर-प्रोड्यूसर फरहान अख्तर ने 'मिर्जापुर' सीरीज को इतना प्यार देने के लिए फैंस का शुक्रिया अदा किया है। इसी प्यार की वजह से मेकर्स 'मिर्जापुर: द मूवी' बनाने के लिए प्रेरित हुए। 'मिर्जापुर: द मूवी' के ट्रेलर लॉन्च पर, प्रोड्यूसर फरहान अख्तर ने फिल्म की रिलीज डेट को लेकर दुनिया भर के फैंस के उत्साह का जिक्र किया। मीडिया से बात करते हुए फरहान ने कहा कि अपकमिंक फिल्म फैंस की मांग का नतीजा है। फरहान अख्तर ने कहा, 'यह शो फैंस के प्यार का नतीजा है। उन्होंने शो को तब से सपोर्ट किया है, जब यह पहली बार रिलीज हुआ था। अमेजन इसे दुनिया भर में ले गया। मैं जहां भी जाता था, लोग मुझसे पूछते थे, 'मिर्जापुर कब आ रहा है?' जब इसकी घोषणा हुई, तो लोग मुझसे रिलीज डेट पूछते थे, इसलिए असल में फैंस ने ही इस फिल्म की मांग की है। हम बहुत खुश और आभारी हैं कि हमने इसे ओरिजिनल कास्ट और शानदार नई कास्ट के साथ मिलकर बनाया है।' वहीं जितेंद्र ने फैंस से एक गुजारिश की है। उन्होंने कहा 'बबलू भैया पर भी उतना ही प्यार बरसाएं, जितना उन्होंने 'पंचायत' में जीतू भैया पर बरसाया था, क्योंकि अब बबलू भैया की वापसी हो रही है।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।